सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" समय रहते आँखें खुल जाएँ तो बेहतर है, चाहे वह नींद से हो, गलतफ़हमी से हो या अपने अहंकार से। क्योंकि... देर से आई समझ, अक्सर बहुत कुछ छीन लेती है...!! "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–193 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 01 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2

बिहार से संचालित ऑनलाइन सट्टा गिरोह का हुआ भंडाफोड़, दुर्ग पुलिस की पकड़ में तीन आरोपी

रोज 12–15 लाख, महीने में 4–5 करोड़ का लेनदेन, 14 मोबाइल–एटीएम जब्त, खुर्सीपार पुलिस की विशेष टीम और साइबर तकनीकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

थाना खुर्सीपार पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा और साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के पटना से संचालित गिरोह का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई में 2 आरोपी गिरफ्तार और 1 विधि-विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया गया है। यह कार्रवाई अपराध क्रमांक 236/2026, धारा 318(3), 318(4), 319 BNS और छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत की गई।

पटना के फ्लैट से चल रहा था सट्टा

पुलिस को तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर पता चला कि गिरोह पटना स्थित नारायण प्लाजा अपार्टमेंट में किराये का मकान लेकर ऑनलाइन सट्टा चला रहा है। विशेष टीम को बिहार भेजकर घेराबंदी की गई और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लूडो, कैसीनो, एविएटर, फुटबॉल बेटिंग जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कब्जेदेकर लोगों से दांव लगवाते थे। हार-जीत की राशि बढ़क नेट बैंकिंग और म्यूल बैंक खातों के जरिए ली-दे की जाती थी। ट्रांजेक्शन छिपाने के लिए आरोपी लगातार बैंक खाते बदलते थे।

रोज 15 लाख तक का कारोबार

प्रारंभिक जांच में पता चला कि गिरोह रोजाना लगभग 12 से 15 लाख रुपये और महीने में 4 से 5 करोड़ रुपये का ऑनलाइन लेनदेन करता था। देशभर के लोगों को इस सट्टे से जोड़ा गया था।

14 मोबाइल, 14 ATM और 11 पासबुक जब्त

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 14 मोबाइल फोन, 14 एटीएम कार्ड, 11 बैंक पासबुक और सट्टा संचालन में प्रयुक्त अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री जब्त की है। सभी डिजिटल उपकरणों और बैंक खातों का फॉरेंसिक विश्लेषण किया जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपी में

आफताब अहमद, 24 वर्ष, अहमदनगर कैंप-2, छावनी, भिलाई, दानिश खान, 24 वर्ष, कैंप-1, वैशाली नगर, भिलाई शामिल हैं इसके साथ ही एक विधि-विरुद्ध बालक - किशोर न्याय अधिनियम के तहत अभिरक्षा में है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों, लाभार्थियों और म्यूल खातों की तलाश कर रही है।

दुर्ग पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन सट्टा, अवैध बेटिंग और साइबर अपराध से दूर रहें। अपना बैंक खाता, सिम कार्ड, ATM किसी को न दें। संदिग्ध गतिविधि की सूचना नजदीकी थाना या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें। दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। सराहनीय कार्य: इस कार्रवाई में खुर्सीपार पुलिस की विशेष टीम और साइबर तकनीकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सांध्य दैनिक 'नई दृष्टिबिंदु' को खेल जगत के प्रेरणास्रोत सुरेश बाबे का आशीर्वाद

भिलाई के गणमान्यजनों की उपस्थिति में सौंपी गई अखबार की प्रति

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सांध्य दैनिक "नई दृष्टिबिंदु" के लिए आज का दिन बेहद खास रहा। आत्मीयता से भरे माहौल में भिलाई के प्रतिष्ठित समाजसेवी और खेल जगत से जुड़े आशीर्वादक बड़े भैया जी सुरेश बाबे से मुलाकात हुई। इस अवसर पर "नई दृष्टिबिंदु" की प्रति सुरेश बाबे भैया को भेंट की गई। बाबे भैया ने अखबार को आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मुलाकात के दौरान नगर निगम के पूर्व सभापति राजेंद्र अरोरा, वरिष्ठ पार्षद पीयूष मिश्रा, पूर्व पार्षद दिवाकर भारती, निखिलेश शुक्ला, आलोक दीक्षित, विजय दुबे, राजनांदगांव के जनपद सदस्य दाऊ साकेत वैष्णव एवं मुकेश चंद्राकर (सोमनी) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

खेल के मैदान से सीधे भिलाई

गौरतलब है कि जी सुरेश बाबे विगत दिनों खेल गतिविधियों के सिलसिले में लगातार प्रवास पर थे। शहर वापसी के बाद हुई इस मुलाकात में बाबे भैया की आत्मीयता और स्नेह ने "नई दृष्टिबिंदु" परिवार को अभिभूत कर दिया। 'नई दृष्टिबिंदु' परिवार बाबे भैया और सभी उपस्थित गणमान्यजनों का आभार व्यक्त करता है।

पंजाब से हेरोइन मंगाकर बेचने वाला गिरोह गिरफ्तार

भिलाई। थाना सुपेला की चौकी स्मृति नगर पुलिस ने पंजाब से हेरोइन मंगाकर भिलाई-दुर्ग क्षेत्र में सप्लाई करने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। योजनाबद्ध घेराबंदी कर पुलिस ने 18 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अपराध क्रमांक 1091/2026, धारा 21(ख), 27, 29 एनडीपीएस अधिनियम के तहत की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गुरमीत सिंह रंधावा नामक व्यक्ति पंजाब से हेरोइन मंगाकर अपने साथियों के साथ जुनवानी स्थित शंकराचार्य अस्पताल के पीछे बिक्री कर रहा है। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस ने स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में घेराबंदी कर सभी आरोपियों को हिरासत में लिया। तलाशी में आरोपियों के पास से लगभग 18 ग्राम हेरोइन, 6 मोबाइल फोन और नशा सेवन की सामग्री बरामद की गई। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 3.5 लाख रुपये है। गिरफ्तार आरोपी में गुरमीत सिंह रंधावा, 26 वर्ष, विवेकानंद नगर, स्मृति नगर, गनदीप सिंह, 29 वर्ष, हाउसिंग बोर्ड, जामुल, शुभम कुमार बैस, 29 वर्ष, हाउसिंग बोर्ड, जामुल, जी. दिनित, 30 वर्ष, सेक्टर-04, भिलाई, उत्तम सिंह उर्फ बॉबी, 28 वर्ष, कैंप-02, छावनी, अब्दुल कादिर, 34 वर्ष, प्रगति नगर, जामुल शामिल हैं।

दतिया व बांकीपुर उपचुनाव : मप्र–बिहार की दो सीटों पर टिकी है सबकी नजरें, दोनों सीटों पर दिलचस्प मुकाबला

3 अगस्त को आएंगे नतीजे, एग्जिट पोल में प्रशांत किशोर आगे, दतिया में बीजेपी का पलड़ा भारी

आलोक तिवारी / भोपाल-पटना

मध्य प्रदेश और बिहार की सियासत में इस समय दो उपचुनाव सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। दतिया विधानसभा और बांकीपुर विधानसभा का मतदान संपन्न हो चुका है। दोनों जगह त्रिकोणीय मुकाबला और पुराने गढ़ों का भविष्य दांव पर लगा है। नतीजे 3 अगस्त को आएंगे।

दतिया उपचुनाव : कांग्रेस वोट बैंक में सेंध, बीजेपी का पलड़ा भारी

नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के बाद दतिया के समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। यहां मुकाबला बीजेपी के आशुतोष तिवारी, कांग्रेस के घनश्याम सिंह और निर्दलीय दामोदर यादव के बीच त्रिकोणीय हो गया है।

दामोदर यादव बने वोट कटवा

इस चुनाव का सबसे बड़ा फैक्टर निर्दलीय दामोदर यादव बने हैं। उन्होंने मुख्य रूप से कांग्रेस के कोर ST/SC वोट बैंक में सेंध लगाई है। ग्रामीण इलाकों की 25–30% ST-SC आबादी का बड़ा हिस्सा दामोदर यादव के साथ दिख रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर दामोदर यादव 25,000 से ज्यादा वोट लेते हैं तो इसका सीधा नुकसान कांग्रेस को होगा। दामोदर ने चुनाव को 'ब्राह्मण बनाम जाटव' ध्रुवीकरण की ओर मोड़ने की कोशिश की है।

घनश्याम सिंह के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई

राजघराने से ताल्लुक रखने वाले कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के लिए यह साख बचाने का चुनाव है। उनकी सबसे बड़ी चुनौती दामोदर की तरफ गए मतदाताओं को वापस लाना है।

नरोत्तम मिश्रा की अग्निपरीक्षा

बीजेपी के लिए नए चेहरे आशुतोष तिवारी से ज्यादा यह चुनाव पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा की परीक्षा है। शुरुआती पहचान की कमी के बाद नरोत्तम मिश्रा ने खुद कमान संभाली और डोर-टू-डोर कैंपेन किया। दतिया का शहरी इलाका बीजेपी के साथ दिख रहा है, जबकि ग्रामीण इलाकों में विकास को लेकर थोड़ी नाराजगी है।

किसका पलड़ा भारी?

प्रचार की शुरुआत में कांग्रेस बढ़त में थी, लेकिन आखिरी दौर में बीजेपी के संगठन और नरोत्तम मिश्रा के कैंपेन से मुकाबला पलट गया। जमीनी समीकरणों के अनुसार बीजेपी का पलड़ा भारी है, लेकिन निर्दलीय ने समीकरण बिगाड़ दिए हैं। मुकाबला कांटे का माना जा रहा है।

बांकीपुर उपचुनाव : 30 साल पुराना बीजेपी किला खतरे में

बिहार में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने से खाली हुई बांकीपुर सीट पर मुकाबला हाई-प्रोफाइल हो गया है। यह सीट 30 साल से बीजेपी के पास है।

बीजेपी की अंदरूनी चुनौती

बीजेपी ने पहले अभिषेक बंटी को टिकट दिया था, लेकिन विवाद के बाद नीरज कुमार को उतारा। यह चुनाव सम्राट चौधरी के सीएम बनने के बाद एनडीए का पहला बड़ा टेस्ट है। बीजेपी ने सीट बचाने के लिए पवन सिंह, मैथिली ठाकुर समेत स्टार प्रचारकों को उतारा।

विवाद और कम मतदान

मतदान के दौरान हंगामा हुआ। जन सुराज के 20 कार्यकर्ताओं की हिरासत के बाद प्रशांत किशोर खुद थाने पहुंचे। ईवीएम और बोगस वोटिंग के आरोप भी लगे। इस बार 33–34% ही मतदान हुआ, जो पिछले चुनाव से 7–8% कम है।

राजनीतिक मायने

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर प्रशांत किशोर बांकीपुर जीतते हैं तो बिहार में तीसरे विकल्प के उदय का बड़ा संकेत होगा। वहीं बीजेपी दतिया और बांकेपुर दोनों बचा लेती है तो पार्टी के लिए राहत होगी। दोनों राज्यों के नतीजे 3 अगस्त को मतगणना के बाद साफ होंगे।

एग्जिट पोल में जन सुराज को बढ़त

सभी प्रमुख एजेंसियों के एग्जिट पोल में जन सुराज के प्रशांत किशोर बीजेपी के नीरज कुमार से आगे दिख रहे हैं :

- रुद्रा रिसर्च : प्रशांत किशोर 50%, नीरज कुमार 36%
- जनमत पोल्स : प्रशांत किशोर 49–52%, नीरज कुमार 34–36%
- डीवी रिसर्च : प्रशांत किशोर 43%, नीरज कुमार 39%
- पोल पंडित : प्रशांत किशोर 50%+, नीरज कुमार 38–42%

राजद की रेखा गुप्ता 5–13% के बीच सिमटी नजर आ रही हैं।

स्कूल में प्रधानपाठक पर अशोभनीय हरकत का आरोप, बच्चों के सामने किया अनुचित व्यवहार

डोंगाकोहरौद के शासकीय प्राथमिक स्कूल की घटना, आरोपी हिरासत में, कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा

जिले के पामगढ़ विकासखंड स्थित डोंगाकोहरौद के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में ड्यूटी के दौरान प्रधानपाठक पर बच्चों के सामने अशोभनीय हरकत और अनुचित व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगा है। घटना से घबराए बच्चों ने घर जाकर परिजनों को जानकारी दी, जिसके बाद अभिभावकों ने स्कूल पहुंचकर विरोध जताया।

बच्चों ने घर जाकर बताई घटना

परिजनों के अनुसार स्कूल पहुंचने पर प्रधानपाठक आपत्तिजनक अवस्था में मिले। अभिभावकों ने मौके का वीडियो बना लिया। इसके बाद आक्रोशित परिजनों ने तुरंत डायल-112 और पामगढ़ थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम स्कूल पहुंची और आरोपी प्रधानपाठक को हिरासत में लेकर थाने ले गई।

मामला दर्ज, जांच जारी

पुलिस ने बच्चों और उनके अभिभावकों के बयान दर्ज करने के बाद आरोपी शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी को हिरासत में रखकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वीडियो वायरल, प्रशासन सख्त

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने भी संज्ञान लिया है। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को तत्काल विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। घटना के बाद गांव में आक्रोश है। ग्रामीणों और अभिभावकों ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिक्षा विभाग ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

मोहला में अवैध प्लाटिंग पर तहसीलदार ने कसा शिकंजा, पटवारियों से मांगी गई रिपोर्ट

खबर का असर

मोहला बना भू-माफियाओं का हब: प्रतिबंध के बाद भी कृषि भूमि की धड़ल्ले से हो रही रजिस्ट्री

राजस्व अधिकारियों के रिश्तेदारों के नाम भी रजिस्ट्री का आरोप

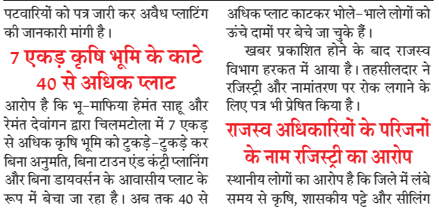

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिला मुख्यालय मोहला से लगे ग्राम चिलमटोला में कृषि भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग का मामला सामने आने के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है। तहसीलदार नेहा विश्वकर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया है और मोहला तहसील क्षेत्र के सभी पटवारियों को पत्र जारी कर अवैध प्लाटिंग की जानकारी मांगी है।

7 एकड़ कृषि भूमि के काटे 40 से अधिक प्लाट

आरोप है कि भू-माफिया हेमंत साहू और रेमंत देवांगन द्वारा चिलमटोला में 7 एकड़ से अधिक कृषि भूमि को टुकड़े-टुकड़े कर बिना अनुमति, बिना टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और बिना डायवर्सन के आवासीय प्लाट के रूप में बेचा जा रहा है। अब तक 40 से अधिक प्लाट काटकर भोले-भाले लोगों को ऊंचे दामों पर बेचे जा चुके हैं।

खबर प्रकाशित होने के बाद राजस्व विभाग हरकत में आया है। तहसीलदार ने रजिस्ट्री और नामांतरण पर रोक लगाने के लिए पत्र भी प्रेषित किया है।

राजस्व अधिकारियों के परिजनों के नाम रजिस्ट्री का आरोप

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिले में लंबे समय से कृषि, शासकीय पट्टे और सीलिंग की भूमि की अवैध खरीद-फरोख्त हो रही है। इसमें राजस्व विभाग के कुछ अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हैं। राजस्व अधिकारियों के बीवी, भाई और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर भी अवैध प्लाटों की रजिस्ट्री और नामांतरण होने की बात कही जा रही है।

डुबान क्षेत्र और श्मशान की भूमि पर भी कब्जे का आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि भू-माफियाओं ने बांध के डुबान क्षेत्र और श्मशान घाट की भूमि पर भी कब्जा कर लिया है। डुबान क्षेत्र और श्मशान की अवैध खुदाई कर सैकड़ों ट्रिप मिट्टी-मुरूम निकालकर प्लाटिंग क्षेत्र को समतल किया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस कृषि भूमि पर प्लाटिंग की गई है वह बांध के डुबान क्षेत्र में आती है और 80–90 के दशक में इसका मुआवजा भी दिया जा चुका है। यदि राजस्व और सिंचाई विभाग के दस्तावेज खंगाले जाएं तो भू-अर्जन की कार्रवाई सामने आ सकती है।

ध्वस्तीकरण और FIR की मांग

अवैध कॉलोनी में प्लाट खरीदने वालों में हड़कंप है क्योंकि शासन-प्रशासन अवैध कॉलोनियों को पूरी तरह अवैध मानता है। यहां बने मकानों पर ध्वस्तीकरण या जुर्माने की कार्रवाई हो सकती है। साथ ही अवैध कॉलोनाइजर के खिलाफ FIR भी दर्ज हो सकती है।

नगरवासियों ने मांग की है कि समस्त बोगस रजिस्ट्री निरस्त कर भू-माफियाओं के खिलाफ सीधे FIR दर्ज की जाए।

तहसीलदार ने रजिस्ट्री-नामांतरण पर लगाई रोक

तहसीलदार नेहा विश्वकर्मा ने कहा, "मोहला के भीतर बड़े पैमाने पर कृषि भूमि की प्लाटिंग हुई है। इसकी समस्त जानकारी पटवारियों से ली जा रही है। रजिस्ट्री और नामांतरण पर रोक लगाने को लेकर पत्र भेजा जा चुका है।"

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत कर जनभागीदारी से सफल बनाएं यात्रा - जगन्नाथ पाणिग्रही

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भाजपा भिलाई : तिरंगा यात्रा और संगठन सशक्तिकरण को लेकर पदाधिकारियों की ली बैठक

भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई द्वारा आगामी तिरंगा यात्रा के सफल आयोजन और संगठनात्मक सशक्तिकरण को लेकर जिला एवं मंडल स्तर के संयोजकों-सह संयोजकों की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को जिला कार्यालय, प्रियदर्शिनी परिसर, सुपेला में संपन्न हुई। बैठक में तिरंगा यात्रा की रूपरेखा, संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बूथ तक पहुंचे संगठन - दुर्ग संभाग प्रभारी

बैठक को संबोधित करते हुए दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका सशक्त संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंडल एवं बूथ तक संगठन को मजबूत करते हुए तिरंगा यात्रा को जनभागीदारी का अभियान बनाया जाए, ताकि राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचे।

समर्पण और अनुशासन जरूरी - जिला प्रभारी

जिला प्रभारी रामजी भारती ने कहा कि संगठन की मजबूती निरंतर सक्रियता, अनुशासन और कार्यकर्ताओं के समर्पण से संभव है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपने दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन कर बूथ स्तर तक संगठन सशक्त बनाने का आह्वान किया।

यात्रा बनेगी ऐतिहासिक-जिला अध्यक्ष

जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि तिरंगा यात्रा राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ काम कर युवाओं, महिलाओं और नागरिकों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास जताया कि जिला भिलाई की तिरंगा यात्रा अनुशासन और व्यापक जनसहभागिता का उदाहरण बनेगी।

कार्ययोजना प्रस्तुत

तिरंगा यात्रा की जिला संयोजक पूनम शुक्ला और सह-संयोजक मनोज तिवारी, भारती साहू, रश्मी सिंह ने कार्ययोजना प्रस्तुत की। बैठक में यात्रा के मार्ग, स्वागत स्थल, प्रचार-प्रसार, सोशल मीडिया अभियान, अनुशासन व्यवस्था और समितियों के गठन पर चर्चा हुई। अंत में सभी पदाधिकारियों ने संगठन को सशक्त बनाने और तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, गोपाल कृष्ण वर्मा, जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल, सुषमा जेठानी, जिला कोषाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ जायसवाल, मोर्चे के अध्यक्ष, सभी मंडल अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खास खबर

दानापुर एक्सप्रेस का नियमित संचालन सुनिश्चित करने स्टेशन मास्टर को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में सावन माह में भगवान बैद्यनाथ धाम (देवघर) जलाभिषेक एवं दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दानापुर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 13287/13288) का 31 जुलाई 2026 को नियमित संचालन सुनिश्चित किए जाने की मांग को लेकर दुर्ग रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया गया कि बोलबम सेवा समिति, दुर्ग के लगभग 200 श्रद्धालुओं ने 31 जुलाई 2026 को दुर्ग से जसीडीह (देवघर) जाने हेतु दानापुर एक्सप्रेस में पूर्व से आरक्षण कराया है। किंतु जानकारी मिली है कि उक्त तिथि को ट्रेन का संचालन निरस्त कर दिया गया है, जिससे श्रद्धालुओं के समक्ष गंभीर परेशानी उत्पन्न हो गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि उसी दिन देवघर जाने के लिए कोई अन्य उपयुक्त ट्रेन उपलब्ध नहीं है तथा अन्य ट्रेनों में इतनी बड़ी संख्या में आरक्षित टिकट मिल पाना संभव नहीं है। यदि ट्रेन का संचालन बहाल नहीं किया गया तो सैकड़ों श्रद्धालु भगवान बैद्यनाथ धाम के दर्शन एवं जलाभिषेक से वंचित हो जाएंगे, जिससे उनकी धार्मिक आस्था भी प्रभावित होगी।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग ने रेलवे प्रशासन से श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए 31 जुलाई 2026 को दानापुर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 13287/13288) का नियमित संचालन सुनिश्चित करने तथा आवश्यक कार्यवाही शीघ्र करने की मांग की है। कांग्रेस ने विश्वास व्यक्त किया है कि रेलवे प्रशासन श्रद्धालुओं की इस जनहित एवं आस्था से जुड़ी मांग पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए शीघ्र आवश्यक कदम उठाएगा। ज्ञापन देने वालों में प्रतिपक्ष नेता संजय कोहले,गुरदीप भाटिया,दीपक जैन, अनूप वर्मा,गौरव उमरे, नासिर खोखर ,सुशील भारद्वाज, चिराग शर्मा, आयुष शर्मा,ललित उइके शाहिद अन्य कांग्रेसी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत दुर्ग में कृषि स्थायी समिति की हुई बैठक

दुर्ग। जिला पंचायत दुर्ग की कृषि स्थायी समिति की बैठक आज जिला पंचायत सभागार में सम्पन्न हुई। श्रीमती नीलम राजेश चंद्राकर, समिति की सभापति के अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य श्रीमती श्रद्धा साहू, जितेन्द्र यादव एवं सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर तथा उप संचालक कृषि (सदस्य सचिव) सहित कृषि एवं सम्बद्ध विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्य रूप से कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुधन विकास, क्रेडा तथा जल संसाधन एवं विद्युत विभाग के विभागीय कार्यों एवं संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा अपनी-अपनी प्रगति का विवरण तथा अनुमोदन हेतु आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। माननीय सभापति एवं समिति के सदस्यों द्वारा वी.बी. राम जी योजना के अंतर्गत कृषि पीक सीजन (20 जून से 20 जुलाई एवं 15 अक्टूबर से 15 नवंबर) के दौरान नए कार्यों के अनुमोदन एवं संचालन को स्थगित रखने एवं योजना के अभिसरण से वार्षिक कार्य योजना तैयार कर समिति से अनुमोदन कराये जाने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम किसान/हितकारियों तक पहुँचाने व विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के पूर्व अनिवार्य रुप से हितग्राहियों का अनुमोदन किये जाने के निर्देश दिये गये।

छत्तीसगढ़ की तपोभूमि से समरसता और राष्ट्रभक्ति का संदेश

गुरु रविदास महाराज का संदेश समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा : पुरंदर मिश्रा

भाजपा की समरसता संकल्प कार्यशाला में बोले विधायक पुरंदर मिश्रा और ईश्वर साहू

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई द्वारा "श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान" की जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संत गुरु रविदास महाराज के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने पर मंथन हुआ।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता उत्तर रायपुर विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु ही व्यक्ति को ज्ञान, संस्कार और जीवन का सही मार्ग दिखाते हैं। गुरु पूर्णिमा गुरु के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक स्वरूप में मनाया जा रहा है। भाजपा द्वारा शुरू "श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान" संत रविदास के समरसता, समानता, सेवा और मानवता के संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

श्री मिश्रा ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज केवल किसी एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज के गुरु हैं। भाजपा संतों, ऋषियों और महापुरुषों के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचा रही है। हमारी विचारधारा में कोई छोटा-बड़ा नहीं, सभी समान हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक जाति, धर्म के नाम पर समाज को बांटने की राजनीति की, जबकि भाजपा सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के लिए काम कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया।

तिरंगा राष्ट्र की आन-बान-शान : ईश्वर साहू

साजा विधायक ईश्वर साहू ने हर घर तिरंगा अभियान और तिरंगा यात्रा पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा राष्ट्रभक्ति और अखंडता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा।

समरसता संकल्प एक जनआंदोलन : रामजी भारती

भिलाई जिला प्रभारी रामजी भारती ने कहा कि गुरु रविदास का जीवन समरसता और भाईचारे का संदेश है। गुरु पूर्णिमा से प्रारंभ होकर 20 फरवरी 2027 तक चलने वाला यह अभियान सामाजिक समरसता का जनआंदोलन बनेगा। साथ ही हर घर तिरंगा अभियान से राष्ट्रभक्ति का संदेश भी घर-घर पहुंचेगा।

20 फरवरी तक चलेंगे विविध कार्यक्रम : पुरुषोत्तम देवांगन

जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने बताया कि 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक सभी मंडलों और बूथों में संगोष्ठियां, सामाजिक समरसता संवाद, सेवा कार्य और जनसंपर्क अभियान होंगे। हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्राएं और घर-घर तिरंगा वितरण भी किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, गोपाल कृष्ण वर्मा, पूनम शुक्ला, जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल, सुषमा जेठानी, जिला मंत्रीगण, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा जिला प्रभारी राम जी भारती ने लोकसभा में लोक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 के पारित होने का किया स्वागत

परीक्षा माफिया, प्रश्नपत्र लीक और संगठित अनियमितताओं पर लगेगा प्रभावी अंकुश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

करोड़ों युवाओं के सुरक्षित भविष्य, ईमानदार प्रतिभा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम - भाजपा

भाजपा जिला प्रभारी रामजी भारती ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत करते हुए इसे देश के करोड़ों युवाओं के सुरक्षित भविष्य, ईमानदार प्रतिभा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं के सपनों, उनके परिश्रम और उनके भविष्य की रक्षा के लिए निरंतर ठोस एवं प्रभावी निर्णय ले रही है। यह संशोधन उसी दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

भाजपा जिला प्रभारी राम जी भारती जी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं की वर्षों की मेहनत, आशाओं और विश्वास का आधार होती हैं। प्रश्नपत्र लीक, नकल माफिया और संगठित परीक्षा अपराध जैसी गतिविधियां न केवल योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय करती हैं, बल्कि पूरे परीक्षा तंत्र की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करती हैं। ऐसे अपराधों पर कठोर और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया यह संशोधन परीक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगा। संशोधन विधेयक के माध्यम से परीक्षा संबंधी अपराधों के विरुद्ध दंडात्मक प्रावधानों को और अधिक कठोर बनाया गया है। इससे परीक्षा माफिया, संगठित आपराधिक गिरोहों तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता में शामिल तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई का मार्ग और मजबूत होगा। साथ ही परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों एवं सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही भी और अधिक सुनिश्चित होगी, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और विश्वसनीय बनेगी।

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हमेशा युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। नई शिक्षा नीति, कौशल विकास, रोजगार सृजन, डिजिटल पारदर्शिता तथा अब परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में यह संशोधन युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इससे प्रतिभाशाली और मेहनती युवाओं का विश्वास और अधिक मजबूत होगा तथा निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण तभी संभव है, जब युवाओं को उनकी योग्यता और परिश्रम के अनुरूप निष्पक्ष अवसर प्राप्त हों। यह संशोधन उसी सोच को साकार करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ईमानदार प्रतिभा को संरक्षण देने और परीक्षा सम्बन्धी अनियमितताओं पर कठोर प्रहार करने का कार्य करेगा।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण-गजेन्द्र यादव

सभी एल्डरमेन नागरिक सुविधाओं के विस्तार और जनहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देंगे-महापौर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग नगर निगम के 9 एल्डरमेनों ने ली शपथ, जनसेवा और विकास के लिए निभाएंगे जिम्मेदारी

नगर पालिक निगम दुर्ग में शासन द्वारा नामांकित 9 एल्डरमेनों का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में प्रदेश के शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में महापौर अल्का बाघमार, कलेक्टर अभिजीत सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, सभापति श्याम शर्मा, राज्य तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साहू तथा प्रभारी आयुक्त मोहेंद्र साहू सहित जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शासन द्वारा नामांकित एल्डरमेन नरेश तेजवानी, कांतिलाल जैन, मदन बढ़ई, अनूप सोनी, तुलसी यादव, दशरथ निर्मलकर, गौरव शर्मा, तेखन सिन्हा एवं चमेली साहू को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सभी एल्डरमेनों ने नगर के विकास, जनहित और नागरिकों की सेवा के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। उन्होंने नव-नामांकित एल्डरमेनों को शुभकामनाएं देते हुए नगर के समग्र विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

महापौर अल्का बाघमार ने कहा कि एल्डरमेनों के अनुभव और सुझावों से नगर निगम की कार्यप्रणाली और अधिक सशक्त होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी एल्डरमेन नागरिक सुविधाओं के विस्तार और जनहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देंगे।

सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि नगर निगम का प्रत्येक जनप्रतिनिधि विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। सभी के सामूहिक प्रयासों से दुर्ग को स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त शहर बनाया जा सकता है।

शपथ ग्रहण समारोह में सभी नव-नामांकित एल्डरमेन अपने परिवारजनों और समर्थकों के साथ पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ पहुंचे। नई जिम्मेदारी मिलने की खुशी और आत्मविश्वास उनके चेहरों पर साफ दिखाई दे रहा था। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, परिजनों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह का वातावरण उत्साह, गरिमा और उल्लास से परिपूर्ण रहा।

कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, लीना दिनेश देवांगन, नरेंद्र बंजारे, शेखर चंद्राकर, काशीराम कोसरे, निकेश अग्रवाल, मनीष साहू, शशि साहू, लीलाधर पाल, शिव नायक, हर्षिका संभव जैन सहित निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रिसाली निगम : 1.65 करोड़ से 4 वार्डों में होगा विकास

सड़क, नाली, भवन और सौंदर्यीकरण के काम होंगे, "विकास जनता के लिए" - ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

नगर पालिक निगम रिसाली के चार वार्डों में 1 करोड़ 65 लाख 94 हजार रुपये की लागत से विकास कार्यों की सौगात मिली है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा ने शुक्रवार को चारों वार्डों में भूमिपूजन कर कार्यों की शुरुआत की।

विधायक बोले- विकास जनता के लिए : भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि "क्षेत्र का विकास जनता के लिए होता है। जनता ने हमें अपना प्रतिनिधि चुनकर भेजा है। विकास कार्य कभी व्यक्तिगत नहीं होता। जनता की मांग पर ही योजनाएं बनाकर उन्हें जमीन पर उतारा जाता है।" उन्होंने आश्वस्त किया कि विकास कार्यों में पैसों की कोई कमी नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से वे लगातार निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डों में पहुंचकर लोगों की मांग पर भूमिपूजन कर रहे हैं।

महापौर और नेता प्रतिपक्ष ने भी रखी बात : महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि रिसाली निगम के गठन के बाद से क्षेत्र में लगातार विकास हुआ है और आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। "क्षेत्र के विकास में सभी का सहयोग आवश्यक है।" कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने भी अपने विचार रखे।

किस वार्ड में कितने का काम : शासन से स्वीकृत राशि के अनुसार चार वार्डों में कुल 24 विकास कार्य होंगे: वार्ड क्र. 32 - नेवई भाटा: नाली, सीसी रोड व सौंदर्यीकरण के 3 कार्य - 19.48 लाख रुपये, वार्ड क्र. 33 - नेवई बस्ती पूर्व: कुल 10 कार्य - 45.48 लाख रुपये, 3. वार्ड क्र. 34 - नेवई बस्ती पश्चिम: कुल 4 कार्य - 29.45 लाख रुपये, वार्ड क्र. 21 - सूर्या नगर: कुल 7 विकास कार्य - 71.53 लाख रुपये है।

कार्यक्रम में मौजूद रहे : इस अवसर पर पार्षद परमेश्वर देवदास, राहुल राय, ममता सिन्हा, ईश्वरी साहू, सरिता देवांगन, सारिका साहू, शीला नारखेड़े, डॉ. सीमा साहू, सविता ढवस, गजेन्द्र कोठारी, रमा साहू, मनीष यादव, धर्मेन्द्र भगत सहित मण्डल अध्यक्ष राजू जंघेल व अनुपम साहू उपस्थित थे।

भिलाई निगम के 7 कर्मचारियों को दी गई विदाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले 7 कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने पर शुक्रवार को भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। निगम आयुक्त सुश्री सुरुचि सिंह की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके सेवाकाल के दौरान किए गए कार्यों की सराहना की गई।

ये कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त : सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में शामिल हैं: धीरज साहू - सहायक राजस्व अधिकारी, हरिश चन्द्र बारले - स्वच्छता पर्यवेक्षक, मदन मोहन तिवारी - पम्प सहायक, नारायण साहू - पम्प सहायक, मिलतीन बाई - मजदूर, सरोज कन्नौजे - प्रोसेस सर्वर, दुजराम - सफाई कामगार शामिल हैं।

आयुक्त ने दी शुभकामनाएं : निगम आयुक्त सुरुचि सिंह ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि "शासकीय सेवा में कर्मचारियों द्वारा दी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन महत्वपूर्ण होता है। सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने अनुभव और कार्यों के माध्यम से निगम की सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं।" समारोह के दौरान निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उनके कार्यकाल को याद करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं कर्मचारी संघ के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिलों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई का उग्र प्रदर्शन

जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में शुक्रवार को अंबेडकर चौक, पावर हाउस में तोड़े स्मार्ट मीटर और जलाए गए बिजली बिल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जबरन स्मार्ट मीटर लगाने और बढ़े हुए बिजली बिलों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई ने शुक्रवार को अंबेडकर चौक, पावर हाउस में विशाल प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दर्जन भर स्मार्ट मीटर तोड़ दिए और बिजली बिलों में आग लगा दी।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर शाम 4:30 बजे अंबेडकर चौक पहुंचे और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया था। इस दौरान कांग्रेसियों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प भी हुई।

स्मार्ट मीटर तोड़े, बिल जलाए

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता अपने साथ दर्जन भर से अधिक स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिल लेकर पहुंचे थे। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने जमीन पर पटककर स्मार्ट मीटर तोड़ दिए और बिजली बिलों को आग के हवाले कर दिया।

बाद में प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग के अधीक्षण यंत्री से मुलाकात कर अपना विरोध दर्ज कराया और ज्ञापन सौंपा।

अधीक्षण यंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर समस्या का समाधान निकालने का आश्वासन दिया।

जबरन मीटर थोपे जा रहे: मुकेश चंद्राकर

जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि बिना जानकारी और सहमति के जबरन मीटर बदले जा रहे हैं। स्मार्ट मीटर लगने के बाद लोगों के बिजली बिल कई गुना बढ़कर आ रहे हैं, जिससे आम और गरीब परिवार आर्थिक संकट में हैं। पुराने मीटरों की तुलना में बिल बहुत अधिक आ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द समाधान नहीं निकला तो कांग्रेस और उग्र आंदोलन करेगी।

इनकी रही उपस्थिति

प्रदर्शन में निगम सभापति गिरवर बंटी साहू, नीता लोधी, बृजमोहन सिंह, नरसिंह नाथ, जी राजू, दिनेश पटेल, लालचंद वर्मा, डी कामराजू, नंद कुमार कश्यप, शमशेर सिद्दीकी, हेमंत बंजारे, इंजीनियर सलमान, अमित सिंह, जागेश्वरी साहू, मनीष शुक्ला, विष्णु बारले, अनीशा बघेल, पिंकी वर्मा, आरती देवी, संजय साहू, प्रभाकर जनवंधु सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान तेज

दुर्ग। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) द्वारा चलाए जा रहे "स्मार्ट मीटर हटाओ, सामान्य मीटर लगाओ" जनअभियान को गुरुवार को ग्राम निकुम से नई गति मिली। जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बिजली उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर हटाकर सामान्य मीटर लगाए जाने की मांग को लेकर आवेदन भरवाए गए।

कार्यक्रम में ग्रामीणों ने स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बिजली बिलों में वृद्धि की शिकायत करते हुए कांग्रेस के अभियान का समर्थन किया और आवेदन पत्र भरे। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि अब कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर जाकर प्रत्येक बिजली उपभोक्ता से आवेदन भरवाएंगे। इन आवेदनों को एकत्र कर सामूहिक रूप से विद्युत विभाग को सौंपा जाएगा। राकेश ठाकुर ने बताया कि अभियान की शुरुआत धमधा ब्लॉक से हुई थी, जिसके बाद जामुल, अहिवारा और अब निकुम में इसे व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। आने वाले दिनों में जिले के सभी ब्लॉकों, नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाकर हजारों आवेदन विद्युत विभाग को सौंपे जाएंगे।

कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

खास खबर

कृष्णानगर में भव्य जस गीत और झांकी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

लोक कलाकार दुकालू यादव की प्रस्तुति ने मोहा मन

भिलाई। कृष्णानगर, भिलाई में आज भव्य जस गीत एवं झांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संस्कृति और लोक परंपराओं की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध लोक कलाकार दुकालू यादव की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही। उनके जस गीतों ने उपस्थित श्रद्धालुओं और दशर्कों का मन मोह लिया। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

पार्षद के नेतृत्व में हुआ आयोजन

प्रतियोगिता का सफल आयोजन वार्ड पार्षद राजा बंजारे एवं कार्यक्रम संयोजक मंगल वर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर नरेंद्र बांधे, मातृशक्ति, युवा साथी, कलाकारगण एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। सभी ने लोक कला को बढ़ावा देने वाले इस आयोजन की सराहना की। आयोजकों एवं सभी सहयोगियों को इस सफल एवं सांस्कृतिक आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से की भेंट

छत्तीसगढ़ में दूरसंचार और डिजिटल कनेक्टिविटी पर चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज संचार भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से आत्मीय भेंट की। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के जनहितकारी मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में दूरसंचार एवं डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रसन्नता की बात है कि आज राज्य के दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों तक भी संचार सुविधाएं निरंतर सशक्त हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा संकल्प है कि देश का प्रत्येक नागरिक सशक्त, विश्वसनीय और आधुनिक डिजिटल कनेक्टिविटी से जुड़कर विकसित भारत की यात्रा का सहभागी बने। बैठक में राज्य में 4ऋ5ऋनेटवर्क विस्तार, बीएसएनएल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और जनजातीय अंचलों में ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

सेवानिवृत्त प्रधान आरक्षक विष्णु सिंह राजपूत को एसपी ने दी भावभीनी विदाई

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए किया गया सम्मान, शाल-श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, राजनांदगांव में सेवानिवृत्त प्रधान आरक्षक विष्णु सिंह राजपूत को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा ने उन्हें शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। एसपी ने प्रधान आरक्षक राजपूत की उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक के.पी. मरकाम, रक्षित निरीक्षक लोकेश कसेर, पुलिस कार्यालय के मुख्य लिपिक, स्टेनो सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं रक्षित केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त प्रधान आरक्षक के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बस्तर से सरगुजा तक रेल संपर्क मजबूत होगा मुख्यमंत्री साय की रेल मंत्री से हुई अहम बैठक

कटघोरा-डोंगरगढ़ और रावघाट-जगदलपुर जैसी 7 नई रेल लाइनों पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में बस्तर से सरगुजा तक रेल कनेक्टिविटी मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर प्रदेश की प्रमुख लंबित और नई रेल परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। इस बैठक में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू और राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे भी मौजूद थे।

कटघोरा-डोंगरगढ़ नई लाइन बनेगी JV से

बैठक में 295 किलोमीटर लंबी कटघोरा-डोंगरगढ़ नई रेल लाइन पर विशेष चर्चा हुई। यह परियोजना रेल मंत्रालय और राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम SPV के जरिए बनेगी। यह लाइन कटघोरा-कतला-मुंगेली-कवर्धा-खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक जाएगी। इससे कई ऐसे क्षेत्र पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़ेंगे जहां अब तक ट्रेन नहीं पहुंची है। साय ने कहा इससे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और लाखों लोगों को आवागमन की सुविधा होगी।

रावघाट-जगदलपुर लाइन का काम शुरू होने वाला

140 किमी लंबी रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन की भी समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है और रेलवे की निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। काम शुरू होते ही बस्तर की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक विकास तेज होगा।

सरगुजा की 3 बड़ी परियोजनाओं को मांगी मंजूरी

मुख्यमंत्री ने उत्तर छत्तीसगढ़ के लिए 3 महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति देने का आग्रह किया। सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर - 244 किमी, धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा - 301 किमी, अंबिकापुर-बरवाडीह - 200 किमी है। साय ने कहा इनसे सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और रोजगार के नए अवसर बनेंगे। रेल मंत्री वैष्णव ने इन पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

बस्तर-तेलंगाना कनेक्टिविटी पर भी जोर

बैठक में किरंदुल-कोत्तागुडेम 180 किमी और गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल 490 किमी नई लाइनों के सर्वे की प्रगति पर भी बात हुई। मुख्यमंत्री ने सर्वे जल्द पूरा कर काम शुरू करने का अनुरोध किया ताकि बस्तर क्षेत्र की कनेक्टिविटी और सुरक्षा दोनों मजबूत हों।

"रेल नेटवर्क विकास की रीढ़ बनेगा" - सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि "रेल नेटवर्क का विस्तार केवल यातायात का विषय नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, कृषि विपणन, पर्यटन और जनजातीय अंचलों की प्रगति से जुड़ा है।"

उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ में रेल विकास के नए अध्याय लिखे जाने की बात कहते हुए विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में राज्य का रेल नेटवर्क और मजबूत होगा और "विकसित छत्तीसगढ़" के निर्माण को गति मिलेगी।

सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी से की सौजन्य भेंट, छत्तीसगढ़ के विकास और 'बस्तर विजन' पर चर्चा

राजनांदगांव में यूरिया प्लांट, 461 गांवों को बिजली और रायपुर-बस्तर में आयुर्वेद संस्थान की मांग

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

मुख्यमंत्री ने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान छत्तीसगढ़ के समग्र विकास और बस्तर विजन पर विस्तार से चर्चा हुई।

तीन प्रमुख प्रस्ताव रखे

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के समक्ष राज्य के विकास के लिए तीन महत्वपूर्ण मांगें रखीं: 1. राजनांदगांव में 10,500 करोड़ की गैस आधारित यूरिया परियोजना को शीघ्र स्वीकृति, 2. दूरस्थ अंचलों के 461 गांवों को स्थायी विद्युत ग्रिड से जोड़ने के लिए विशेष सहयोग और 3. रायपुर अथवा बस्तर में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की स्थापना।

बस्तर में अभूतपूर्व परिवर्तन

प्रधानमंत्री को अवगत कराया गया कि सुरक्षा, विश्वास और विकास की समन्वित रणनीति से बस्तर में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। नियद नेल्ला नार 2.0 और बस्तर मुन्ने योजनाओं के माध्यम से 5,542 गांवों के लगभग 39 लाख लोगों तक शासन की योजनाएं पहुंच रही हैं। बंद पड़े 421 स्कूल पुनः प्रारंभ किए गए हैं। सड़क, रेल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल एवं पर्यटन के विस्तार से बस्तर अब शांति और संभावनाओं की नई पहचान गढ़ रहा है।

निवेश और सुशासन पर भी चर्चा

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में लगभग ?8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार, ?500 करोड़ के राज्य एआई मिशन, मजबूत होती वित्तीय स्थिति और तकनीक आधारित नागरिक-केंद्रित सुशासन की दिशा में हो रहे कार्यों की जानकारी भी प्रधानमंत्री को दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ पूरी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है।

"हमारा संकल्प है - विकास की रोशनी अंतिम गांव और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे तथा छत्तीसगढ़ शांति, समृद्धि और संभावनाओं के नए मॉडल के रूप में देश के सामने उभरे।"

"ऑपरेशन विश्वास" : दुर्ग यातायात पुलिस का नाबालिगों के खिलाफ जागरूकता अभियान

2500 छात्र-छात्राओं को दी गई सड़क सुरक्षा की जानकारी, अभिभावकों से अपील

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

यातायात पुलिस दुर्ग ने "ऑपरेशन विश्वास" के तहत नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर रोक लगाने और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विशेष अभियान चलाया। 31 जुलाई को केपीएस स्कूल नेहरू नगर, खालसा पब्लिक स्कूल और शकुंतला विद्यालय के कुल 2500 छात्र-छात्राओं के लिए सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नाबालिग वाहन न चलाएं: यातायात पुलिस

कार्यक्रम में अधिकारियों ने बताया कि 18 वर्ष की आयु पूरी होने और वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने से पहले दोपहिया या चारपहिया वाहन चलाना कानूनन अपराध है। इससे स्वयं और दूसरों के जीवन को गंभीर खतरा हो सकता है। नाबालिग अवस्था में वाहन चलाने से दुर्घटनाओं की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

छात्रों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, गति सीमा का पालन, मोबाइल का उपयोग न करने, यातायात संकेतों का पालन और सड़क पार करते समय सावधानी बरतने जैसे नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। यातायात पुलिस ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने माता-पिता और परिजनों को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

स्कूल प्रबंधन से अपील

यातायात पुलिस ने स्कूल प्रबंधन से अपील की है कि यदि कोई छात्र वाहन चलाकर स्कूल आता है तो उस पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही ऐसे विद्यार्थियों के अभिभावकों की बैठक आयोजित कर उन्हें मोटरयान अधिनियम और नाबालिग वाहन संचालन के कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया जाए। आज शाम 4 बजे रठऋस्कूल सेक्टर-4 में पुलिस विभाग, स्कूल प्राचार्य, परिवहन विभाग, ट्रैफिक वार्डन और पैरेंट्स यूनियन की बैठक आयोजित की जाएगी।

अभिभावकों से अपील : यातायात पुलिस ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को किसी भी परिस्थिति में वाहन चलाने की अनुमति न दें। बच्चों की सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

गिरवी रखे सोने के जेवरात हड़पने वाले ज्वेलर्स संचालक गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

गरीब लोगों के गिरवी रखे सोने के जेवरात बेईमानीपूर्वक हड़पने के आरोप में खुर्सीपार पुलिस ने जय मातादी ज्वेलर्स, सुभाष मार्केट के संचालक अमित सोनी को गिरफ्तार किया है।

वार्ड पार्षद की शिकायत पर कार्रवाई

वार्ड पार्षद भूपेन्द्र यादव ने 30 जुलाई को थाना खुर्सीपार में लिखित शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 में आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने अपनी पत्नी के 44.300 ग्राम सोने के जेवरात आरोपी के पास 4.50 लाख रुपये के बदले गिरवी रखे थे।

जब गिरवी राशि लौटाकर जेवरात मांगे गए तो आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। न जेवरात लौटाए और न ही राशि वापस की। शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 312/2026 पंजीबद्ध कर त्वरित विवेचना शुरू की।

विश्वास का दुरुपयोग कर की बेईमानी

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी गिरवी राशि प्राप्त करने के बाद भी जेवरात वापस नहीं कर रहा था और लगातार बहाने बनाकर समय टाल रहा था। इस तरह विश्वास का दुरुपयोग कर संपत्ति हड़पने का मामला सामने आने पर पुलिस ने आरोपी को 30 जुलाई को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

थाना प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण केवट और स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति के पास आभूषण या मूल्यवान वस्तु गिरवी रखने से पहले उसकी वैधानिक जानकारी और दस्तावेजों का सत्यापन अवश्य करें। धोखाधड़ी या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

उतई थाने के प्रधान आरक्षक से मारपीट, एसएसपी ने किया गया लाइन अटैच

अंजोरा पुलिस ने इमरान सहित 5-6 लोगों के खिलाफ दर्ज किया केस

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

27-28 जुलाई की दरमियानी रात अंजोरा पुलिस चौकी क्षेत्र में उतई थाने में तैनात प्रधान आरक्षक मनीष कुमार अग्निहोत्री के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर दी। इस घटना में प्रधान आरक्षक को गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने प्रधान आरक्षक मनीष कुमार अग्निहोत्री को त्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया है। मनीष कुमार अग्निहोत्री की शिकायत पर अंजोरा पुलिस चौकी ने फरीदनगर निवासी इमरान सहित 5-6 लोगों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नदी में डूबने से युवक की मौत

गरियाबंद। शनिवार को एक युवक की उदंती नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और पुलिस प्रशासन की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गई। यह पूरा मामला मैनपुर विकासखंड का है। डूमराबहाल चिंदा गांव निवासी राजकुमार (35) शनिवार को किसी कारणवश उदंती नदी में डूब गया।

संपादकीय

कोई उनके लिए कुछ करता है तो युवा होते हैं प्रभावित

देश में करोड़ों युवा हैं, हर चुनाव में वह किसी दल को,किसी दल के नेता से प्रभावित होकर वोट देते हैं। उनके वोट से भी चुनाव में हार जीत होती है। जिस राजनीतिक दल व नेता से वह ज्यादा प्रभावित होते हैं, उसका ज्यादा वोट देते हैं। इसलिए जब भी मौका मिलता है तो देश के बड़े व प्रमुख राजनीतिक दल युवाओं के प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। नीट पेपर लीक मामले में सीजेपी ने उनके लिए एक महीने से ज्यादा आंदोलन किया। सोनम वांगचुक ने उनके लिए 20 दिन से ज्यादा अनशन किया। इससे देश के युवा सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके व सोनम वांगचुक प्रभावित हुए कि उन्होंने उनके लिए आंदोलन किया,अनशन किया। शिक्षामंत्री को पेपर लीक के लिए जिम्मेदार बताते हुए इस्तीफे की मांग की और सरकार को शिक्षामंत्री की इस्तीफा लेना पड़ा। देश के युवा उनसे प्रभावित हुए और जंतर मंतर पर उनका समर्थन किया। यह दोनों तो चुनाव नहीं लड़ते हैं,मगर देश के दूसरे राजनीतिक दल कांग्रेस आदि तो चुनाव लड़ते हैं, इसलिए उनके नेता भी युवाओं को यह बताने व जताने का प्रयास कर रहे हैं कि देखों हम भी तुम्हारे लिए संसद के भीतर व बाहर सरकार से लड़ रहे है। हमको तुम्हारी चिंता है।

विपक्ष के नेताओं में ? राहुल गांधी जब से बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका में जेनजी ने आंदोलन कर सरकार का तख्ता पलटने जैसा काम किया है वह चाहते हैं कि यहां के जेनजी भी वैसा ही कुछ सड़क पर आकर करें ।वह जेनजी से कई बार आव्हान कर चुके हैं। उनके कहने व चाहने से देश के जेनजी ने वैसा तो कुछ नहीं किया है। उनके पास मौका था जंतर मंतर जाकर जेनजी के आंदोलन का समर्थन करने का लेकिन वह यह मौका चूक गए और नीट पेपर लीक मामले में अलग से आंदोलन करते रहे, पीएम आवास के समक्ष धरना दिया ।जंतर मंतर में जेनजी का आंदोलन तो शिक्षामंत्री के इस्तीफे के बाद समाप्त हो गया। इसका श्रेय अभिजीत व वांगचुक को मिला, ऐसे में राहुल गांधी के पास यह बताने को कुछ नहीं था कि उनके आंदोलन से जेनजी को क्या फायदा हुआ ।ऐसे में राहुल गांधी के लिए यह बताना जरूरी हो गया था कि देखों तुम्हारे लिए मैं संसद के भीतर लड़ रहा हूं। लड़ने के लिए कोई मुद्दा चाहिए तो उन्होंने पुलिस की कार्रवाई को ही मुद्दा बना लिया और इसके लिए गृहमंत्री अमित शाह को दोषी बताने का प्रयास किया। यानी पुलिस ने छात्रों के साथ जो कुछ भी बुरा किया वह अमित शाह के कहने पर किया इसलिए अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए।

यहीं राहुल गांधी की सबसे बड़ी गलती कर गए। अभिजीत दीपके भी चाहते तो शिक्षामंत्री के साथ शाह व मोदी के इस्तीफे की मांग कर सकते थे लेकिन वह आंदोलन को सफल बनाना चाहते थे इसलिए उन्होंने शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग की यह मांग पूरी की जा सकती थी इसलिए पूरी कर दी गई। राहुल गांधी मान बैठे कि जब अभिजीत की मांग पर शिक्षामंत्री का इस्तीफा हो सकता है तो मैं तो नेता प्रतिपक्ष हूं मेरी मांग पर अमित शाह का इस्तीफा क्यों नहीं हो सकता। राहुल गांधी हमेशा इतनी बडी.मांग करते हैं कि जो पूरी नहीं हो पाती है और वह असफल नेता हर बार साबित होते हैं। संसद में बोलते वक्त भी वह कहना कुछ होता है और कह कुछ और जाते हैं और उनके ही सब किए कराए पर पानी फिर जाता है। संसद में बोलते वक्त उनके मुंह से निकल गया कि गृहमंत्री शाह ने पुलिस को छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। सत्ता पक्ष को बोलने का मौका मिला और उन्होंने राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति की और राहुल गांधी से गोली चलने का सबूत देने या माफी मांगने को कहा। सत्ता पक्ष की ओर से कहा गया कि आंदोलनकारियों पर न तो गोली चली है और न ही पैलेट गन चली है। राहुल गांधी सरासर झूठा आरोप लगा रहे हैं। राहुल गांधी हर बार संसद में कुछ न कुछ ऐसा कह जाते हैं कि उनको ही नुकसान होता है।

वह बीस साल से सांसद है,उनको संसद के सब कायदे कानून मालूम है लेकिन वह हर बार कायदे कानून के परे जाकर कुछ न कुछ ऐसा कह देते हैं कि कायदे कानून के अनुसार वह गलत होता है। इस बार भी सत्ता पक्ष के लोगों ने उनको गलत ठहराया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को कहना पड़ा कि आप ने गलत किया है। संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति जताई कि बिना किसी आधार के किसी पर आरोप लगाना गलत है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सदन में गृहमंत्री पर चर्चा नहीं हो रही है ।राहुल गांधी को गृहमंत्री पर कोई आरोप नहीं लगाना चाहिए। वह आरोप लगा रहे हैं तो इसका सबूत दें। इसके बाद राहुल गांधी ने फिर गलती की और ऐसा कुछ कह दिया कि उसे असंसदीय माना गया और संसद में बवाल हो गया। संसद में राहुल गांधी ने एक लड़की का हवाला देते हुए कहा था कि तीन वर्ग होते हैं, एक छात्र,दूसरा इडियट और तीसरा अंधभक्त। अंधभक्त दूसरे वर्ग के लोगों को भगवान मान लेते हैं। बाद में असंसदीय शब्द को संसद की कार्रवाई से हटाने का आदेश दे दिया गया।

हो सकता है कि राहुल गांधी अपने तरीके से पीएम मोदी व उनके भक्तों पर करारा व्यंग्य कर रहे थे लेकिन भाजपा ने इसे भी छात्रों के अपमान से जोड़ दिया। भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि स्टूडेंट के तीन वर्ग होते हैं, एक स्टूडेंट, दूसरे इडियट और तीसरे अंधभक्त। पात्रा ने कहा कि यह देश के स्टूडेंट का अपमान है क्योंकि देश का कोई भी स्टूडेंट न तो इडियट होता है और न अंधभक्त होता है। संसद में राहुलगांधी के इस बयान पर कि गृहमंत्री के कहने पर गोली चली। संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी भ्रम फैला रहे हैं। गृहमंत्री किसी तरह के गोली चलाने का आदेश नहीं दिया है। गोली चली नहीं तो आदेश कहां से देंगे। पात्रा ने बताया कि जहां भी मार्च होता है,वहां फोर्स होती है तो वहां मजिस्ट्रेट भी होते हैं और गोली या पैलेट गन चलाने का फैसला वही करते हैं। कई बार राहुल गांधी को सच पता नहीं रहता है, कांग्रेस के नेता उनको सच बताते नहीं है और इसी वजह से राहुल गांधी गलत साबित होते है, उनके बारे में धारणा बनती है कि उनको सच का पता नहीं रहता है और वह झूठ को सच समझ कर बोले चले जाते हैं। इससे उनकी छवि खराब होती है और कांग्रेस को भी नुकसान होता है।

वर्चुअल दुनिया में 'लाइक' और असली जिंदगी में सन्नाटा!

'हाइपर कनेक्टिविटी' के दौर में युवाओं पर गहराता अकेलापन

संजय उवाच

प्रो. संजय द्विवेदी

सही मायनों में मानव सभ्यता के इतिहास में दुनिया इतनी कनेक्टेड कभी नहीं थी। एक क्लिक, एक संदेश और कुछ ही सेकेंड्स में सात समंदर पार बातचीत हो जाना किसी जादुई अहसास जैसा है। मोबाइल की चौबीस घंटे चमकती स्क्रीन ने इस जादुई दुनिया को हमारी हकीकत बना दिया है। लेकिन इस तकनीकी छलांग का दूसरा पहलू बेहद डरावना है। इतिहास के इस दौर में हम 'हाइपर कनेक्टेड' तो हैं, लेकिन शायद सबसे ज्यादा अकेले भी। सोशल मीडिया के आभासी मंचों पर हमारे दोस्तों और चाहने वालों की कतार बेहद लंबी है, मगर संकट के क्षणों में सिर रखने के लिए एक वास्तविक कंधा भी मयस्सर नहीं होता। हम निरंतर 'बातचीत' की भूलभुलैया में तो उलझे हैं, किंतु आंतरिक 'संवाद' के लिए तरस रहे हैं। सिर झुकाए और स्क्रीन के कोलाहल में डूबे समाज की बेचैनियां निरंतर बढ़ रही हैं। आधुनिक विमर्श में लाखों की भीड़ के बीच अकेले होने की त्रासदी इसी को कहते हैं।

त्रासदी है दोस्तों का ना होना-

अकेलापन इस समय की सबसे बड़ी और चिंताजनक सामाजिक परिघटना बन चुका है। एक विचारक ने ठीक ही कहा है, "दोस्तों का न होना कोई अपराध नहीं है, लेकिन खुद में अकेला हो जाना एक त्रासदी है।" सोशल मीडिया के इस दौर ने हमें अपनी ही बनाई भीड़ ने एकाकी कर दिया है। हालात इस हद तक बदल चुके हैं कि अब वास्तविक इंसानी रिश्तों की जगह 'एआई फ्रेंड्स' (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मित्र) ले रहे हैं। मशीनें हमारी सहायक, मार्गदर्शक और दोस्त बन रही हैं। मेरे जैसे मीडिया शिक्षक के लिए यह तथ्य रेखांकित करना बेहद पीड़ादायक है कि क्लासरूम में स्मार्टफोन की स्क्रीन पर चमकती युवा आँखें, फोन जेब में जाते ही एक अजीब से सन्नाटे और सामाजिक संकोच से घिर जाती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी पहचान और व्यक्तित्व का निर्माण अब वास्तविक समाज नहीं, बल्कि यह पाँच इंच की स्क्रीन कर रही है। सच तो यह है कि आज के युवाओं का एकांत भी शांत नहीं है, वह आभासी कोलाहल से भरा हुआ है।

नए समय की माँग के अनुसार सोशल मीडिया पर उपस्थिति को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। तकनीक ने इस माध्यम को मोबाइल के जरिए हर हाथ और हर जेब तक पहुँचाया है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले 'लाइक' और 'कमेंट्स' हमारे मस्तिष्क में तात्कालिक खुशी का संचार करते हैं। डिजिटल मंचों पर विचरते लोग इस आभासी प्रशंसा के आदी हो चुके हैं। यह क्षणिक खुशी एक नशे की तरह काम करती है। दिनभर लगातार पोस्ट करते, रील्स देखते और प्रतिक्रियाएं देते लोग अनजाने में ही इस माध्यम के गहरे चंगुल में फंस जाते हैं। 'डोपामाइन' का यह मायाजाल आज हमारे सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है।

समझिए बातचीत और संवाद का अंतर

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अमूमन चमकती हुई चीजें ही परोसी जाती हैं। लोग अपनी सुनहरी यादों, सफलताओं और सबसे खूबसूरत पलों को ही वहाँ साझा करते हैं। सोशल मीडिया पर परोसी जा रही इस 'चमकीली जिंदगी' (रील्स, वेकेशन, महँगी पार्टियां) को देखकर सामान्य पृष्ठभूमि का युवा अपनी साधारण वास्तविक जिंदगी की तुलना उनकी 'रील्ड लाइफ' से करने लगता है। यह तुलना अंततः उसे हीनभावना की ओर धकेल देती है, जिससे 'तुलना का अवसाद' पैदा होता है। पूर्ववर्ती दौर में युवा फिल्मों से सीखते थे, लेकिन तब महीनों में कोई एक फिल्म आती थी जिसका प्रभाव लंबे समय तक रहता था। अब रील्स के दौर में यह मानसिक बमबारी हर सेकंड जारी है।

हमें 'बातचीत' और 'संवाद' के बुनियादी अंतर को समझना होगा। आँखों में आँखें डालकर की जाने वाली आत्मीय बातचीत के बजाय लोग अब केवल मोबाइल स्क्रीलिंग में उलझे हैं। यात्राओं, सार्वजनिक स्थानों, पार्कों और यहाँ तक कि कॉलेजों के कैम्पस में भी लोग आपस में बतियाने के बजाय सिर झुकाए स्क्रीन निहारते दिखते हैं। मोबाइल द्वारा दिए गए इस एकाकीपन ने हमारी संवादात्मक क्षमता को गंभीर रूप से पंगु बना दिया है। जिन भावनाओं को शब्दों में बयां किया जाना चाहिए था, उन्हें अब 'इमोजी', 'शॉर्ट्स' और 'टेक्स्ट' के छोटे टुकड़ों में समेटा जा रहा है। इसके कारण युवा पीढ़ी में वास्तविक सामाजिक कौशल तेजी से लुप्त हो रहे हैं। संवादहीनता के कारण मन की वास्तविक आकांक्षाएं अधूरी रह जाती हैं और हम एक ऐसे उदासीन समाज में तब्दील हो रहे हैं, जिसे स्क्रीन पर गुस्सा जाहिर करना तो आता है, लेकिन वास्तविक जीवन में प्रेम और करुणा व्यक्त करना नहीं।

आत्मघाती कदम उठा रहे हैं युवा

अकेलापन अब सिर्फ किसी व्यक्ति का निजी मामला या भावनात्मक उदासी नहीं रह गया है; यह एक गंभीर वैश्विक संकट का रूप ले चुका है। यह संकट इतना गहरा है कि इससे मानसिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य को भी घातक चुनौतियाँ मिल रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा गठित 'सोशल कनेक्शन कमीशन' की महत्वपूर्ण रिपोर्ट इस बात पर विशेष प्रकाश डालती है कि सामाजिक अलगाव और अकेलापन दुनिया भर में एक मूक महामारी की तरह फैल रहे हैं, जिनका समाज पर गहरा लेकिन अनदेखा प्रभाव पड़ रहा है। नवीनतम वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर यह रिपोर्ट तत्काल वैश्विक कार्रवाई की आवश्यकता पर बल देती है। आयोग के निष्कर्ष बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर हर छह में से एक युवा इस समय गंभीर अकेलेपन का अनुभव कर रहा है।

विभिन्न शोध रिपोर्ट्स के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय युवा प्रतिदिन औसतन 4 से 5 घंटे स्मार्टफोन की स्क्रीन को दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर अत्यधिक सक्रिय रहने वाले हर पाँच में से दो युवा (लगभग 40 प्रतिशत) किसी न किसी स्तर पर अकेलेपन या एंग्जायटी (घबराहट) का सामना कर रहे हैं। स्क्रीन-टाइम के इस अनियंत्रित फैलाव के कारण युवाओं में अनिद्रा, चिड़चिड़ापन और 'नोमोफोबिया' (मोबाइल से दूर होने का डर) में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आए दिन ऐसी खबरें सामने आती हैं जहाँ माता-पिता द्वारा फोन छीन लिए जाने पर बच्चों ने आत्मघाती कदम उठा लिए या घर छोड़ दिया।

यह समस्या केवल सामान्य पृष्ठभूमि तक सीमित नहीं है; देश के सबसे तेज और तकनीकी रूप से उन्नत दिमाग वाले छात्र भी इस डिजिटल अकेलेपन और 'परफॉर्मेंस प्रेशर' के चक्रव्यूह में फंसे हैं। 'आईआईटी बॉम्बे' के 'स्टूडेंट वेलनेस सेंटर' (काउंसिलिंग सेल) ने छात्रों में सोशल मीडिया जनित अवसाद के गंभीर लक्षण दर्ज किए हैं। हालांकि, इसके सकारात्मक समाधान के रूप में छात्रों ने खुद परिसरों में 'डिजिटल डिटॉक्स' और 'नो गैजेट नाइट्स' जैसे जमीनी अभियानों की शुरुआत की है। इन अभियानों के तहत छात्र सप्ताह में एक शाम अपना फोन कमरों में छोड़कर केवल आपस में बातचीत करने, खेलने और कलात्मक गतिविधियों के लिए मैदानों में इकट्ठा होते हैं। यह अनूठी पहल साबित करती है कि तकनीक का कोई भी एल्गोरिदम कभी भी जीवंत इंसानी जुड़ाव का विकल्प नहीं बन सकता।

स्क्रीन टाइम नहीं अब ग्रीन टाइम

इस चुनौतीपूर्ण समय में हम तकनीक या सोशल मीडिया पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की वकालत नहीं कर सकते, क्योंकि मोबाइल विहीन आधुनिक जीवन की कल्पना अब असंभव है। समाधान पूरी तरह से तकनीक को छोड़ना नहीं, बल्कि 'डिजिटल हाइजीन' को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना है। हमें सजगता से अपने स्क्रीन टाइम को घटाकर 'ग्रीन टाइम' (प्रकृति, परिवार और वास्तविक मित्रों के साथ बिताया जाने वाला समय) को बढ़ाना होगा।

अगली बार जब हम किसी कैफे, मेट्रो या ड्राइंग रूम में बैठें, तो इंटरनेट की वर्चुअल दुनिया में खोने के बजाय, अपने सामने उपस्थित व्यक्ति की बात को पूरी आत्मीयता से सुनें। समाज, संस्कृति और मनुष्यता को जिंदा रखने के लिए हमें इंसानों की संवेदनशीलता की जरूरत है, मशीनी एल्गोरिदम की नहीं। मनुष्य का जीवन अनमोल है, किंतु हमारी मनुष्यता उससे भी बड़ी है। मानव और अन्य जीवों के बीच सबसे बड़ा अंतर यही है कि हमने भाषाएं विकसित कीं, बातचीत से संवाद की यात्रा तय की और कलाओं के माध्यम से संचार का मानवीय दायरा बढ़ाया। तकनीक को हमारा सहयोगी होना चाहिए था, संचालक नहीं। समय आ गया है कि हम अपनी वास्तविक खुशियों और आंतरिक आनंद को बचाए रखने के लिए तकनीक को वापस सहायक की भूमिका में लाएं, न कि उसे अपनी चेतना का नियंता बनने दें।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष है।)

सावधान! घर बैठे कमाई वाला वो एक मैसेज आपको बना सकता है डिजिटल गुलाम

दिलीप कुमार पाठक

घर बैठे मोबाइल से कमाएं रोज के पांच हजार रुए! आजकल फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सएप खोलते ही ऐसे लुभावने मैसेज हर तरफ तैरते हुए दिख जाते हैं। मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में जब जेब तंग हो, तो ऐसे विज्ञापन किसी वरदान या लॉटरी जैसे लगते हैं। लेकिन जरा ठहरिए! जिस लिंक पर आप एक क्लिक करने जा रहे हैं, वो आपको अमीर बनाने का रास्ता नहीं, बल्कि एक ऐसे दलदल का रास्ता है जहाँ से आप कंगाल और बर्बाद होकर ही बाहर निकलेंगे। हर साल 30 जुलाई को दुनिया भर में मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस मनाया जाता है।

जब भी हम मानव तस्करी का नाम सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में पुरानी फिल्मों जैसा कोई सीन आता है झ जैसे किसी का जबरन किडनैप कर लेना, किसी मासूम को बंधक बनाकर मजदूरी कराना या भीख मंगवाना। लेकिन आज के इस चमचमाते डिजिटल जमाने में अपराधियों ने अपना तरीका पूरी तरह बदल लिया है। आज का सबसे नया और खतरनाक सच है साइबर स्लेवरी यानी डिजिटल गुलामी। अब इंसानों को किसी अंधेरी कोठरी में नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठाकर इंटरनेट की अदृश्य जंजीरों से गुलाम बनाया जा रहा है। इस पूरे काले खेल की शुरुआत बहुत ही सीधे और मासूम तरीके से होती है। आपको व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आएगा कि यूट्यूब वीडियो लाइक करो और घर बैठे पैसे कमाओ।

आप उनके कहे अनुसार वीडियो लाइक करते हैं और आपके खाते में सचमुच 200-300 रुपए आ भी जाते हैं। यहाँ पर बड़ी चालाकी से आपका भरोसा जीत लिया जाता है। इसके बाद असली जाल बिछाया जाता है। वो आपसे कहेंगे कि अगर और ज्यादा मोटी कमाई करनी है, तो आपको थोड़ा पैसा इन्वेस्ट करना होगा। घर बैठे रातों-रात अमीर बनने के लालच में लोग अपनी जिंदगी भर की जमा-पूंजी, यहाँ तक कि कर्ज लेकर या घर के गहने बेचकर लाखों रुपए इन फर्जी वेबसाइट्स पर लगा देते हैं। जब तक हमें समझ आता है कि हम पूरी तरह लुट चुके हैं, तब तक स्क्रीन के उस पार बैठा ठग अपना डिजिटल बोरिया-बिस्तर समेटकर गायब हो चुका होता है। यह तो इस गंदे खेल का सिर्फ एक हिस्सा है।

इसका दूसरा और सबसे डरावना रूप वो है जो हमारे देश के पढ़े-लिखे युवाओं के साथ विदेशों में हो रहा है। कंबोडिया, म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों में डेटा एंट्री या कंप्यूटर ऑपरेटर की आलीशान नौकरी का लालच देकर भारतीय लड़कों को बुलाया जाता है। वहां पहुंचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें बंदूक की नोक पर बड़ी-बड़ी इमारतों में बंद कर दिया जाता है। इसके बाद उनसे जबरन भारत में बैठे मासूम लोगों को फोन करके या मैसेज भेजकर ठगने का काम कराया जाता है। जो युवा ऐसा करने से मना करते हैं, उन्हें कई-कई दिनों तक भूखा रखा जाता है, लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा जाता है और करंट के झटके दिए जाते हैं। यानी हमारे ही देश के बेरोजगार लड़कों को बंधक बनाकर, उन्हीं के हाथों दूसरे भारतीयों को लुटवाया जा रहा है। यह स्थिति बेहद भयानक है।

सरकार और पुलिस अपनी तरफ से कोशिश कर रही हैं, लेकिन सिर्फ पुलिस के भरोसे इस अदृश्य दुश्मन से नहीं जीता जा सकता। इस डिजिटल गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का एक ही तरीका है झ हमारी खुद की समझदारी। हमें यह छोटी सी बात समझनी होगी कि दुनिया में कोई भी कंपनी बिना किसी मेहनत या बिना किसी इंटरव्यू के घर बैठे मुफ्त में पैसे नहीं बांटती। अगर कोई ऑफर जरूरत से ज्यादा अच्छा लग रहा है, तो समझ जाइए कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। अगर कभी अनजाने में आप ऐसे किसी जाल में फंस जाएं या आपके साथ कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो जाए, तो डरने या समाज के डर से छिपने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। जितनी जल्दी आप इस नंबर पर शिकायत करेंगे, आपके पैसे वापस मिलने की उम्मीद उतनी ही ज्यादा होगी, याद रखिए, आपकी एक सावधानी आपको बर्बाद होने से बचा सकती है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

लोकतंत्र में जवाबदेही का सबसे अधिक आग्रह सत्ता और पद पर बैठे लोगों से किया जाता है। किसी मंत्री के विभाग में भ्रष्टाचार हो जाए, किसी अधिकारी के क्षेत्र में अपराध बढ़ जाए, किसी शिक्षक के विद्यालय का परिणाम खराब आ जाए या किसी पुलिस अधिकारी के क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बिगड़ जाए, तो सबसे पहले उसी पदाधिकारी से जवाब मांगा जाता है। यह उचित भी है, क्योंकि अधिकार के साथ उत्तरदायित्व जुड़ा होता है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या समाज स्वयं अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त हो सकता है? क्या हर अपराध का दोष केवल सरकार, प्रशासन और व्यवस्था पर डाल देना पर्याप्त है? क्या नागरिक होने के नाते हमारी कोई जवाबदेही नहीं बनती?

जवाबदेही केवल सत्ता की नहीं, समाज की भी होनी चाहिए

लोकतंत्र केवल सरकार का नाम नहीं है। लोकतंत्र सरकार और समाज की साझी व्यवस्था है। संविधान ने नागरिकों को जितने अधिकार दिए हैं, उतने ही मूल कर्तव्य भी सौंपे हैं। यदि हम केवल अधिकारों की बात करें और कर्तव्यों को भूल जाएँ, तो लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ जाता है। यही कारण है कि आज अनेक सामाजिक समस्याओं के मूल में केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि नागरिक उत्तरदायित्व का अभाव भी दिखाई देता है।

जब कोई व्यक्ति चोरी करता है, हत्या करता है, बलात्कार करता है, साइबर ठगी करता है, नशे का कारोबार करता है या संगठित अपराध का हिस्सा बनता है, तो वह केवल किसी एक व्यक्ति का नुकसान नहीं करता, बल्कि पूरे समाज की शांति और व्यवस्था को प्रभावित करता है। ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए कानून और न्यायालय हैं, जो अपराध की प्रकृति के अनुसार दंड निर्धारित करते हैं। लेकिन इसके साथ यह प्रश्न भी उठता है कि क्या अपराध सिद्ध होने के बाद राज्य द्वारा दी जाने वाली कुछ सुविधाओं पर भी पुनर्विचार होना चाहिए? इस विषय पर समय-समय पर बहस होती रही है, विशेषकर जघन्य अपराधों के संदर्भ में।

हालाँकि यहाँ एक अत्यंत महत्वपूर्ण संवैधानिक सिद्धांत को समझना आवश्यक है। भारत में प्रत्येक नागरिक को कानून के समक्ष समानता, न्यायिक प्रक्रिया और मानव गरिमा का अधिकार प्राप्त है। इसलिए किसी भी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर नहीं, बल्कि विधिसम्मत न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही दंडित किया जा सकता है। साथ ही, राज्य द्वारा मिलने वाली अनेक मूलभूत सुविधाएँ—जैसे शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ और जीवनरक्षक सहायता—मानवीय और संवैधानिक दायित्वों से भी जुड़ी हैं। अतः किसी अपराध के कारण हर सरकारी सुविधा से आजीवन वंचित कर देना न तो व्यावहारिक है और न ही वर्तमान संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप माना जाएगा।

हाँ, यह अवश्य विचारणीय है कि जिन व्यक्तियों को गंभीर अपराधों में न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया हो, उनके लिए कुछ वैधानिक परिणाम और कठोर हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, चुनाव लड़ने की अयोग्यता, सरकारी नौकरी के लिए प्रतिबंध, हथियार लाइसेंस पर रोक, कुछ प्रकार के सरकारी पदों के लिए अयोग्यता, या अपराध की प्रकृति के अनुसार विशेष सरकारी योजनाओं में सीमाएँ—ऐसे विषय कानून बनाकर तय किए जा सकते हैं। लेकिन यह सब न्यायिक प्रक्रिया और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर ही होना चाहिए।

दूसरी ओर, समाज को भी यह स्वीकार करना होगा कि अपराध केवल पुलिस की विफलता से पैदा नहीं होते। परिवारों में संस्कारों का क्षरण, विद्यालयों में चरित्र निर्माण पर घटता ध्यान, सोशल मीडिया पर फैलती हिंसक और घृणास्पद सामग्री, नशे का बढ़ता प्रभाव और कानून तोड़ने को चालाकी समझने वाली मानसिकता भी अपराधों को जन्म देती है। यदि समाज इन कारणों पर मौन रहेगा, तो केवल सरकार बदलने से अपराध समाप्त नहीं होंगे।

आज हम अक्सर देखते हैं कि सड़क दुर्घटना हो तो लोग हेलमेट नहीं पहनते, फिर सरकार को दोष देते हैं। टैक्स चोरी स्वयं करते हैं, फिर विकास कार्यों की कमी पर शिकायत करते हैं। रिश्वत देने वाला और लेने वाला दोनों समाज से ही आते हैं। अवैध निर्माण नागरिक करते हैं और दोष प्रशासन को मिलता है। परीक्षा में नकल विद्यार्थी करते हैं, लेकिन पूरी शिक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है। यह दृष्टिकोण अधूरा है।

जवाबदेही का अर्थ केवल दंड नहीं, बल्कि आत्मानुशासन भी है। यदि नागरिक स्वयं कानून का पालन करें, अपराध की सूचना दें, गवाह बनने से न डरें, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें और अपने बच्चों को नैतिक शिक्षा दें, तो अपराधों की संख्या स्वाभाविक रूप से घट सकती है। एक जागरूक समाज किसी भी पुलिस बल से अधिक प्रभावी सुरक्षा कवच बन सकता है।

इस संदर्भ में पुनर्वास की अवधारणा को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सभी अपराध एक जैसे नहीं होते और सभी अपराधी भी एक जैसे नहीं होते। अनेक लोग परिस्थितियों, अपरिपक्वता या गलत संगति के कारण अपराध की ओर चले जाते हैं और बाद में सुधार भी करते हैं। आधुनिक न्याय व्यवस्था केवल दंड पर नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्स्थापन पर भी बल देती है। यदि समाज किसी व्यक्ति को सुधार का अवसर ही न दे, तो उसके पुनः अपराध की ओर लौटने की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए कठोरता और संवेदनशीलता के बीच संतुलन आवश्यक है।

लोकतंत्र में यह सिद्धांत भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि राज्य का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि एक सुरक्षित, न्यायपूर्ण और मानवीय समाज का निर्माण करना है। इसलिए नीतियाँ ऐसी होनी चाहिएँ जो अपराध को हतोत्साहित करें, पीड़ितों को न्याय दें, दोषियों को कानूनसम्मत दंड दें और जहाँ संभव हो, सुधार का अवसर भी उपलब्ध कराएँ।

इसी प्रकार पद पर बैठे व्यक्तियों की जवाबदेही भी कम नहीं हो सकती। यदि कोई अधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन नहीं करता, कोई मंत्री भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है या कोई जनप्रतिनिधि अपने संवैधानिक कर्तव्यों की उपेक्षा करता है, तो उसके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। अधिकार और जवाबदेही का संबंध दोनों पक्षों पर समान रूप से लागू होता है—सत्ता पर भी और समाज पर भी।

भारत को यदि वास्तव में अपराध-मुक्त, अनुशासित और उत्तरदायी राष्ट्र बनाना है, तो हमें केवल सरकार जिम्मेदार है और केवल जनता दोषी है जैसी अतिवादी सोच से आगे बढ़ना होगा। अपराध रोकना सरकार, न्यायपालिका, पुलिस, परिवार, विद्यालय, मीडिया और नागरिक—सभी की साझा जिम्मेदारी है। एक पक्ष की विफलता दूसरे पक्ष को दायित्व से मुक्त नहीं कर सकती।

अंततः, लोकतंत्र की सफलता इसी में है कि अधिकार और कर्तव्य दोनों साथ-साथ चलें। पद पर बैठे व्यक्ति अपनी जवाबदेही निभाएँ, कानून निष्पक्ष रूप से लागू हो और नागरिक भी अपने आचरण के प्रति उत्तरदायी बनें। समाज तब ही सशक्त होगा जब न्याय केवल दूसरों के लिए नहीं, स्वयं पर भी समान रूप से लागू करने की मानसिकता विकसित होगी। जवाबदेही का दायरा जितना व्यापक होगा, लोकतंत्र उतना ही मजबूत, न्यायपूर्ण और विश्वासपूर्ण बनेगा। यदि चाहें, मैं इसी विषय पर अधिक तीखा, राजनीतिक-व्यंग्यात्मक या अखबार के संपादकीय शैली वाला संस्करण भी तैयार कर सकता हूँ।

विद्या भैया सदैव रहेंगे प्रासंगिक, दो अगस्त को भैया की जयंती

राजीव चौबे, फाउंडर - राष्ट्रीय चेतना न्यूज

2 अगस्त 1929 को रायपुर में सी पी एंड बरार के दिग्गज नेता और मध्य प्रदेश के प्रथम मुख्य मंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल के घर उनका जन्म हुआ था 1957 में देश की दूसरी लोकसभा के लिए बलौदाबाजार संसदीय सीट से जीतने वाले विद्याचरण शुक्ल देश के सबसे काम उम्र के सांसद थे 1957 की दूसरी लोकसभा से 2004 की चौदहवीं लोकसभा तक 1999 की तेरहवीं लोकसभा को छोड़ कर उन्होंने कुल 12 बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और उनमे से 9 चुनाव जीते जिनमे से बलोदा बाजार से एक, रायपुर से दो और महासमुंद से 6 चुनाव जीते दो बार रायपुर से और एक बार महा समुंद से हारे।

विद्याचरण शुक्ल छत्तीसगढ़ के शीर्ष करिश्माई, लोकप्रिय और व्यक्तिगत जनाधार वाले नेता थे 18 वर्ष के तरुण से लेकर 88 वर्ष के बुजुर्ग भी जिन्हे भैय्या कहते थे वे विद्याचरण शुक्ल तेज तर्रार दबंग नेता थे वे सही मायनों में छत्तीसगढ़ के पहले बड़े जन नेता थे इंदिरा जी से लेकर नरसिम्हा राव तक की कैबिनेट में रहे अपने लम्बे राजनैतिक जीवन में केंद्र सरकार में मंत्री के रूप में उन्हें वित्त, रक्षा, सुचना प्रसारण, नागरिक आपूर्ति, विदेश, जल संसाधन और संसदीय कार्य जैसे महत्वपूर्ण विभागों को सम्हाला । वे छत्तीगढ़ के पहले ऐसे नेता थे जिनका पूरे छत्तीसगढ़ में अपना व्यक्तिगत कैडर था प्रदेश भर में ऐसे हजारों कार्यकर्त्ता थे जिन्हे किसी पार्टी से कोई मतलब नहीं था और वे सिर्फ और सिर्फ विद्या भैय्या के कार्यकर्त्ता थे। दबंग और अति स्वाभिमानी विद्याचरण शुक्ल कभी भी किसी के लिए यस मैन नहीं रहे इसलिए समय समय पर इंदिरा गाँधी, राजीव गाँधी और सोनिया गाँधी से उनकी अनबन होती रही और उन्होंने दो बार हाई कमान से भीड़ कर काँग्रेस पार्टी छोड़ी लेकिन अंतःकरण से वे काँग्रेसी थे इसीलिए लौट कर फिर काँग्रेस में आ गए। बगावत उनकी तासीर थी 2003 में एन सी पी में जाकर छत्तीसगढ़ की पूरी 90 विधासभा सीटों पर चुनाव लड़वाया और छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी की सरकार को अपदस्थ करने में सबसे बड़ी भूमिका उन्ही की रही।

विद्याचरण शुक्ल अपनी उग्र राजनैतिक शैली के साथ साथ अपनी विशिष्ट जीवन शैली के लिए भी हमेशा चर्चित रहे उनका रहन सहन खानपान अत्यंत वैभवशाली था उनके कपडे, गाड़ियां, घड़ी, मोबाइल, घर सभी में उनका वैभव झलकता था। रायपुर के राधेश्याम भवन में वो अधिकांशतः अकेले ही रहते थे लेकिन उनके डाइनिंग हाल में 12 सीटर डाइनिंग टेबल था उनके प्रतदिन के भोजन में कई प्रकार के फल सलाद के अलावा आठ दस व्यंजन हुआ करते थे बावजूद इसके उनको सुदूर ग्रामीण अंचल में गरीब से गरीब कार्यकर्त्ता के घर खाट पर बैठ कर बड़े चाव से आम के अचार के साथ भजिया भी खा लेते थे उनका यही अंदाज कार्यकर्ताओं के साथ उनका भावनात्मक सम्बन्ध बना देता था। उनकी एक कंपनी थी पर्यटकों के लिए जंगल सफारी का बंदोबस्त करती थी जब देश में शिकार वैध था तब ये कंपनी शिकार का बंदोबस्त भी किया करती थी, भैय्या के डाइनिंग रूम से पहले उनकी स्टडी थी जिसमें शोकेस में शिकार के समय की 30 – 35 बंदूकें रही रहती थी, 70 के दशक की बात है एक बार जंगल सफारी में भैया को एक बाघ का बच्चा मिला जिसकी माँ मर चुकी थी भैय्या उसे अपने दिल्ली वाले घर ले गए वहीँ वो नन्हा शावक परिपक्कहो गया भैय्या उसे पालतू कुत्ते की तरह घूमाते थे उन्ही दिनों एक बार उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा शुक्ल जी से मिलने उनके निवास पर पहुंचे सदिर्यों का मौसम था और सुबह का वक्त था बहुगुणा बंगले के लॉन में धूप में बैठ गए तभी उनका पालतू बाघ वहां पहुँचा और उन्हें सूंघने लगा प्रत्यक्षदर्शी बताते थे बहुगुणा जी डर के मरे टेबल पर चढ़ कर बैठ गए और कापने लगे थे तभी भैय्या बहार आए और उसे जोर से डांटा बाघ किसी पालतू कुत्ते की तरह चुपचाप बैठ गया ये थे विद्या भैय्या जो अर्श से फर्श तक के लोगों के साथ सहजता से घुलमिल जाते थे ।

1989 से 2013 में उनकी मृत्यु तक मैं उनसे जुड़ा रहा काफी लम्बे समय तक भीड़ में नारे लगाने वाले अंतिम पंक्ति के कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने के बाद 2000 में छत्तीसगढ़ के निर्माण के बाद भैय्या से बहुत निकट आने का सौभाग्य मिला रा क पा के आंदोलनों ने मुझे भी विद्या भैय्या के चहेतों की सूची में शामिल कर दिया था, 1992 से लेकर 2013 तक मैं विद्या भैय्या के साथ उनके सैकड़ों दौरों में शरीक रहा। अपने 56 सालों के राजनैतिक जीवन में विपक्षी पार्टियों के अलावा अपनी पार्टी में भी उन्हें प्रतिद्वंदिता और चुनौतियाँ मिली लेकिन ये उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी कि चुनौतियों से आनंदित होते थे और हर चुनौती का तत्काल जवाब भी देते थे इसी सम्बन्ध में मैं तीन घटनाओं का जिक्र करना चाहूंगा जिनमे से एक के गवाह नई दृष्टिबिंदु के संपादक अलोक तिवारी भी हैं ये घटना 1994 या 95 की होगी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी के बालसखा, खैरागढ़ रियासत के पूर्व राजा और राजनांदगाव के पूर्व संसद शिवेंद्र बहादुर अपनी अक्खड़ मिजाजी और बड़बोलेपन के लिए मशहूर थे उन्होंने एक विवादस्पद बयान में कहा कि विद्याचरण में साहस है तो वे राजनांदगाव आकर दिखाएं बस फिर क्या था विद्या भैय्या दिल्ली से रायपुर आए और एयरपोर्ट से सीधे राजनांदगाव के लिए निकल पड़े रायपुर से उनके साथ 40 – 50 गाड़ियों का काफिला निकला और कुम्हारी, चरोदा, भिलाई 3, खुर्सीपार, पावर हाउस, सुपेला, नेहरू नगर फिर दुर्ग के रायपुर नाका, राजेंद्र पार्क चौक, पटेल चौक, गंज पारा, पुलगांव, अंजोरा, टेड़ेसरा, सोमनी हर जगह गाड़ियां जुड़ती गई सोमनी में काफिला अलोक तिवारी के घर रुका जो कि विद्या भैय्या के नियम में था वो जब भी राजनांदगांव जाते सोनी में अलोक तिवारी के घर रुक कर उनके पिता जी से मिलते और उनके घर चाय पीते थे बहरहाल जब उनका काफिला राजनांदगांव पहुंचा तब गाड़ियों की संख्या सौ से अधिक हो चुकी थी और शिवेंद्र बहादुर खुद राजनांदगांव छोड़ का भाग गए थे ।

दूसरी घटना 2003 की है जब विद्या भैय्या एन सी पी में थे और अपने आंदोलनों से जोगी सरकार की चूलें हिला दी थी तब अमित जोगी से चुनौती मिली कि भूले से भी मरवाही क्षेत्र में ना आएं बस फिर क्या था विद्या भैय्या मात्र दो गाड़ियों के साथ मारवाही पहुँच गए मारवाही क्षेत्र में घुसते ही जोगी समर्थक युवकों की गाड़ियों ने उनको घेर लिया और उनकी गाड़ियों के साथ साथ चलते हुए उनके खिलाफ नारेबाजी और गाली गलौच करने लगे और तत्काल वापस लौटने की धमकी देने लगे इतना ही नहीं वहां के एस डी एम और एस डी ओ पी ने भी शुक्ल को लौट जाने की सलाह दी उनके साथ दौरे पर गए युवा नेता प्रमोद तिवारी ने बताया कि विद्या भैय्या के साथ के उनके कुछ कार्यकर्त्ता भी बुरी तरह से विचलित हो गए और भैय्या से वापस चलने का आग्रह भी किया लेकिन वो नहीं माने और तय किया कि रात गौरेला के रेस्ट हाउस में रुकेंगे वो पूरी रात गौरेला में रहे देर रात तक जोगी समर्थक रेस्ट हाउस के बहार डटे रहे नारे बाजी, गाली गलौच और पथराव भी करते रहे और विद्या भैय्या आराम से सोए रहे अगली सुबह रेस्ट हाउस से बाकायदा नाश्ता करके

रायपुर के लिए निकले। दुसरे दिन उस घटना के विरोध में एन सी पी ने छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया और पूरे प्रदेश में सैकड़ों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया उस दिन दुर्ग में जेल जाने वालों में मेरे साथ डॉ रामकुमार ताम्रकार, अजय तिवारी, कलाम खान, हेमंत बंजारे, राहुल शुक्ला थे ।

तीसरी घटना 2003 में जोगी सरकार के खिलाफ एन सी पी की रैलियों में जबरदस्त भीड़ जुट रही थी जिससे घबराकर सरकार रैलियों में अड़ंगे लगाने लगी एन सी पी नेता रामावतार जग्गी की हत्या इसी घबराहट का परिणाम थी शहर जिले और संभाग स्तर पर होने वाली रैलियों में बस्तर संभाग की रैली जगदलपुर के स्टेट हाई स्कूल में होनी थी रैली को विफल करने के लिए सरकार ने हर संभव प्रयास किये अंतागढ़ नारायणपुर मार्ग, सुकमा कोंटा मार्ग और गीदम दंतेवाड़ा मार्ग में पुलों को अवरुद्ध कर दिया गया दुर्ग की हमारी टीम एक दिन पहले जगदलपुर पहुँच गई थी जिस शाम सभा होनी थी उसी दिन दोपहर को प्रशासन ने सभास्थल के लिए पूर्व में दी गई मंजूरी को निरस्त कर दिया सभास्थल में बने मंच को तोड़ दिया गया और दोपहर को सभास्थल में मजूद एन सी पी कार्यकर्ताओं पर काँग्रेस के कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया और पुलिस भी उनके समर्थन में हम पर लाठियां भांजने लगी सभा को सम्बोधित करने के लिए विद्या भैय्या, शरद पवार, पी ए संगमा और प्रफुल पटेल हवाई जहाज से शाम को जगदलपुर आने वाले थे और सभास्थल में मंच टूट चूका था मैंने तत्काल घटना की सुचना विद्या भैय्या को फोन पर दी वो रायपुर में ही थे मेरी पूरी बात सुनने के बाद उन्होंने बड़े ही ठन्डे स्वर में कहा हम आ रहे हैं और सभा वहीँ होगी शाम को विद्या भैय्या एयरपोर्ट आए एक बड़े से ट्रेलर में शरद पवार, पी ए संगमा, प्रफुल पटेल चढ़ गए और उनके साथ भारी जनसैलाब था तमाम सुरक्षा घेरे को तोड़ते हुए विद्या भैय्या सभा स्थल पहुँच गए सारा प्रशसनिक अमला तमाम पुलिस बल सब हाथ पर हाथ धरे देखते रहे और देश के शीर्ष नेताओं ने उसी ट्रेलर पर खड़े होकर सभा को सम्बोधित किया लेकिन ना सभास्थल बदला ना समय ना तारिख ऐसा था विद्या भैय्या का राजहठ ।

विद्या भैय्या के स्वभाव में गजब की स्पष्टवादिता थी किसी भी कार्यकर्त्ता या फिर जनता की समस्याओं पर झूठा आश्वासन देना उनके स्वाभाव में ही नहीं था जो भी विषय उनके पास आते वे तत्काल उसका निवारण करते थे जो नहीं हो सकता था उसे तुरंत ना कह देते थे वे पद रहे तब भी और जब नहीं थे तब भी किसी के भी जायज काम के लिए किसी को भी फोन करने में नहीं हिचकते थे और फोन पर बात करने की उनकी अपनी एक विशिष्ट शैली थी बड़े से बड़े मंत्री / अधिकारी जिस किसी को भी फोन करते पूरी शिष्टता के साथ पहले उनका हालचाल पूछते फिर अपना काम बता कर उतनी ही शिष्टता से आदेशात्मक अंदाज में कहते इसे करके हमें बताइयेगा। नेताओं के लिए समर्पित लाखों कार्यकर्त्ता होते हैं किन्तु कार्यकर्ताओं के लिए समर्पि कुछ ही नेता होते हैं जिनमे से एक विद्याचरण शुक्ल थे ये उनके कार्य शैली की सबसे बड़ी विशेषता थी इनके हर कार्यकर्त्ता को लगता था कि वही उनका सबसे प्रिय कार्यकर्त्ता है। अपने कारकर्ताओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना हमेशा से उनकी पहली प्राथमिकता होती थी वे जब तक पद में रहे उन्होंने अपने हर कायकर्ता के आर्थिक हितों का ध्यान रखा और अपने कार्यकर्ताओं को आर्थिक मजबूती दिलवाई। 25 मई 2013 को हुए झीरम घाटी कांड में वे नक्सलियों की गोली का शिकार हुए और 11 जून 2013 को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में उन्होंने प्राण त्याग दिए विद्याचरण शुक्ल के साथ छत्तीसगढ़ की राजनीती का एक स्वर्णिम अध्याय समाप्त हो गया। अपने हर कार्यकर्त्ता के साथ अत्यंत भावनात्मक सामान्य रखने और निभाने वाले नेता बहुत ही कम होते हैं इसलिए राजनीती में जब भी कार्यकर्ताओं के लिए समर्पित नेता की बात होगी विद्याचरण शुक्ल सदैव प्रासंगिक रहेंगे।

दुर्ग में सजेगी सुरों की सबसे बड़ी सुरमयी महफिल

'स्वरांजलि संगीत' के बैनर तले 9 अगस्त को गूंजेंगे स्वर सम्राट किशोर कुमार के अमर तराने

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाला दुर्ग शहर एक बार फिर सुरों की अनुपम छटा से सराबोर होने जा रहा है। शहर की प्रतिष्ठित एवं लोकप्रिय सांस्कृतिक संस्था 'स्वरांजलि संगीत' द्वारा स्वर सम्राट किशोर कुमार की जयंती के पावन अवसर पर एक भव्य, गरिमामय एवं संगीतमय कार्यक्रम "स्वरांजलि संगीतमयी प्रस्तुति - किशोर नाइट" का आयोजन रविवार, 9 अगस्त 2026 को सायं 6:00 बजे सतरूपा शीतला मंदिर प्रांगण, सिविल लाइन, दुर्ग में किया जाएगा।

यह आयोजन केवल एक संगीत संध्या नहीं, बल्कि भारतीय फिल्म संगीत के स्वर्णिम युग को सजीव करने वाला एक सांस्कृतिक महोत्सव होगा, जिसमें स्वर सम्राट किशोर कुमार के अमर, सदाबहार एवं कालजयी गीतों की शानदार प्रस्तुतियाँ दशर्कों को भाव-विभोर कर देंगी। संस्था का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि संगीत के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सांस्कृतिक चेतना एवं पारिवारिक वातावरण को बढ़ावा देना है।

15 वर्षों से संस्कृति की अखंड साधना

संस्था के संस्थापक निर्देशक संजय दुबे एवं सचिव श्रीमती सूर्यकला शर्मा ने बताया कि पिछले 15 वर्षों से संस्था पूरी निष्ठा, समर्पण एवं सेवा भावना के साथ लगातार इस आयोजन का सफल संचालन करती आ रही है। बिना किसी व्यावसायिक उद्देश्य के संस्था ने हजारों संगीत प्रेमियों को उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद प्रदान किया है तथा स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच उपलब्ध कराया है।

संस्था के निर्देशक संजय दुबे ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि दुर्ग की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाना है। संगीत समाज को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है और स्वरांजलि संगीत इसी उद्देश्य के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

नवोदित कलाकारों की पहली पसंद

स्वरांजलि संगीत आज दुर्ग-भिलाई अंचल के उभरते कलाकारों के लिए एक प्रतिष्ठित मंच बन चुका है। अनेक नवोदित गायक-गायिकाओं ने इसी मंच से अपनी कला का प्रदर्शन कर पहचान बनाई है। संस्था प्रतिभा को अवसर देने में विश्वास रखती है और यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। आज इस मंच से जुड़ना प्रत्येक कलाकार के लिए सम्मान और गौरव का विषय माना जाता है।

गरिमामयी होगी अतिथियों की उपस्थिति

इस भव्य संगीतमय संध्या की मुख्य अतिथि होंगी दुर्ग नगर निगम की महापौर एवं शहर की प्रथम नागरिक श्रीमती अलका बाघमार, जो अपने सरल, संवेदनशील एवं जनहितैषी नेतृत्व के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सदैव सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया है। उनकी प्रेरणादायी उपस्थिति निश्चित रूप से कार्यक्रम की गरिमा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करेगी।

विशिष्ट अतिथियों में उपस्थित रहेंगे

कैलाश जैन बरमेचा झ समाजसेवा, साहित्य, संगीत, खेल, शिक्षा एवं जनहित के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ समाजसेवी एवं सांस्कृतिक संरक्षक, जिनका व्यक्तित्व सेवा और समर्पण का प्रेरणास्रोत है।

श्रीमती आकांक्षा मिश्रा - अध्यक्ष, लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी, महिला सशक्तिकरण, सेवा कार्यों एवं सामाजिक जागरूकता अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाने वाली ऊर्जावान समाजसेवी।

श्रीमती प्रीति साहू - अध्यक्ष, जन भागीदारी समिति एवं महिला मोर्चा की सक्रिय पदाधिकारी, जो सामाजिक सरोकारों और महिला उत्थान के कार्यों में सदैव अग्रणी रहती हैं।

मनीष पारख - प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं सामाजिक गतिविधियों के प्रबल सहयोगी, जो विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों में निरंतर सहभागिता निभाते रहे हैं।

अनूप अग्रवाल - समाजहित एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सक्रिय सहयोगी, जिनका शहर के सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

आशीष चंद्राकर - पार्षद, वार्ड क्रमांक 11, जो जनसेवा, विकास कार्यों एवं नागरिक समस्याओं के समाधान के प्रति सदैव समर्पित रहते हैं।

विनोद चंद्राकर - पार्षद, वार्ड क्रमांक 40, जो सामाजिक सौहार्द एवं क्षेत्रीय विकास के लिए निरंतर सक्रिय रहकर जनता का विश्वास अर्जित कर चुके हैं।

इ स-।

सुरों का जादू बिखेरेंगे शहर के नामचीन कलाकार

संगीतमय महोत्सव में शहर के सुप्रसिद्ध गायक— अनुभव जैन, अनिल शुक्ला, अविनाश तिवारी, जाहिद अली एवं सूरज अग्रवाल तथा प्रतिभाशाली गायिकाएँ—पीयूषा मनहरे, गीता सिंह, तृप्ति साहू एवं ज्योति सिंह गीत-संगीत से कार्यक्रम में अपनी सुरों का जादू बिखेरेंगे।

स्वर सम्राट किशोर कुमार के अमर गीतों की शानदार प्रस्तुतियाँ देकर संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर देंगे। इन कलाकारों की मधुर जुगलबंदी, सुमधुर संगीत और जीवंत प्रस्तुति दशर्कों को स्वर्णिम फिल्म संगीत के उस दौर में ले जाएगी, जिसे आज भी लोग पूरे प्रेम से याद करते हैं।

सचिव श्रीमती सूर्यकला शर्मा— संस्था की सशक्त पहचान

स्वरांजलि संगीत संस्था की सचिव श्रीमती सूर्यकला शर्मा संस्था की सबसे सक्रिय, ऊर्जावान एवं प्रेरणादायी हस्तियों में से एक हैं। वे अपनी उत्कृष्ट संगठन क्षमता, मधुर व्यवहार एवं सांस्कृतिक समर्पण के लिए पूरे दुर्ग-भिलाई अंचल में विशेष पहचान रखती हैं।

वे एक कुशल मंच संचालिका (एंकर) हैं और वर्षों का समृद्ध मंच संचालन अनुभव रखती हैं। उनके आत्मविश्वासपूर्ण, प्रभावशाली एवं शालीन संचालन से प्रत्येक कार्यक्रम गरिमामय एवं यादगार बन जाता है। मंच पर उनकी सहज अभिव्यक्ति, स्पष्ट उच्चारण तथा दशर्कों से आत्मीय संवाद स्थापित करने की अद्भुत क्षमता उन्हें विशिष्ट बनाती है।

श्रीमती सूर्यकला शर्मा केवल एक सफल एंकर ही नहीं, बल्कि अत्यंत प्रतिभाशाली एवं मधुर स्वर की धनी गायिका भी हैं। उनकी भावपूर्ण, सुरीली और मनमोहक आवाज श्रोताओं को भावविभोर कर देती है। जब वे मंच पर गीत प्रस्तुत करती हैं तो श्रोतागण मंत्रमुग्ध होकर देर तक तालियों की गूंज से उनका उत्साहवर्धन करते हैं।

उनकी अथक मेहनत, अनुशासन, समर्पण, विनम्रता एवं संगीत के प्रति अटूट प्रेम ने स्वरांजलि संगीत संस्था को नई पहचान और नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। संस्था के प्रत्येक आयोजन की सफलता में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी रहा है।

संगीत प्रेमियों से विशेष अपील

कार्यक्रम के अंत में सचिव श्रीमती सूर्यकला शर्मा ने दुर्ग, भिलाई एवं आसपास के समस्त संगीत प्रेमियों, परिवारों, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों से सपरिवार उपस्थित होने का आग्रह करते हुए कहा—

"आपकी उपस्थिति, आपका स्नेह और आपकी तालियों की गूंज हमारे स्थानीय कलाकारों के लिए सबसे बड़ा सम्मान है। पिछले 15 वर्षों से मिल रहा आपका प्रेम और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। आइए, हम सभी मिलकर स्वर सम्राट किशोर कुमार को सुरों की भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करें तथा इस सांस्कृतिक उत्सव को ऐतिहासिक सफलता प्रदान करें।"

स्वरांजलि संगीत ने सभी संगीत प्रेमियों से इस भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

मुद्दे की बात

डॉ.सोनाली चक्रवर्ती के साथ

क्या गाली Gen Z विरासत में लेकर आई है?

दृश्य-1- 16-17 वर्ष की एक बच्ची टी वी पर देश के सर्वोच्च पद पर आसीन प्रधानमंत्री जी के विषय में ऐसी वीभत्स भाषा में बोल रही है कि जिसे सुनकर हमें खुद पर शर्म आ जाए।

दृश्य-2- कुछ स्वयंभू बड़े साहित्यकार, समाज सुधारक, विचारक, इन गालियों को समर्थन देते हुए कहते हैं कि गाली दुख और पीड़ा की भाषा है इसमें कुछ भी गलत नहीं। यदि लड़के गाली दे सकते हैं तो लड़कियों के गाली देने पर इतना बवाल (और सवाल) क्यों?

दृश्य -3 अधिकांश लोगों ने आराम से कह दिया यह पूरी पीढ़ी ही गैर जिम्मेदार और गलत भाषा बोलने वाली है।

हर जगह हम साधारण लोग अचंभित है, हतप्रभ है और सोचने पर मजबूर है कि क्या कारण है यह पीढ़ी इतनी आसानी से गालियां कैसे बोल लेती है जबकि पिछली पीढ़ी तक केवल असामाजिक तत्व और शराबी ही बोलते थे घरों में गालियों का प्रवेश सवर्था निषिद्ध था। जंतर मंतर पर हुए विरोध में जब बच्चों के मुंह से गालियां निकलीं, तो पूरा देश झुंझला उठा। सवाल सीधा था - ये भाषा आई कहां से?

सच ये है कि Gen Z मां के पेट से गाली सीखकर नहीं आई। बच्चा जो देखता है, वही बोलता है। और आज उसने सबसे ज्यादा क्या देखा? पिछले 8-10 साल में OTT प्लेटफॉर्म घर-घर पहुंच गए। "रियलिज्म" के नाम पर हर सीरीज, हर फिल्म में गाली को स्टाइल बना दिया गया। हीरो कूल लगता है तो गाली से, विलेन ताकतवर लगता है तो गाली से। सेंसर नहीं, उम्र की सीमा नहीं। 12 साल का बच्चा भी फोन पर वही सब देख रहा है जो हम बड़े देखते हैं।

हमारी पीढ़ी ने इसे "एक्सप्रेशन की आजादी" कहकर नजरअंदाज किया। हमने बच्चों के हाथ में बिना फिल्टर वाला इंटरनेट पकड़ा दिया, पर भाषा की मर्यादा नहीं सिखाई। स्कूल में नैतिक शिक्षा बंद हो गई और घर में स्क्रीन ही आया बन गई। विरोध करना लोकतंत्र है, पर भाषा लोकतंत्र की मर्यादा है। अगर आज बच्चे गाली दे रहे हैं तो जिम्मेदारी सिर्फ उनकी नहीं है। वो आईना हैं। आईना तोड़ने से पहले हमें सोचना होगा कि हमने उन्हें क्या दिखाया। बदलाव यहीं से शुरू होगा - घर से, स्क्रीन से, और हम बड़ों की जबान से।

घरों में माता-पिता क्या कर सकते हैं?

बच्चे वही सीखते हैं जो वो देखते हैं। इसलिए सबसे पहले हम खुद अपनी भाषा सुधारें। घर में गाली को "कूल" या "मजाक" कहकर टालना बंद करें। बच्चों के फोन और OTT की आदत पर नजर रखें। उम्र के हिसाब से कंटेंट तय करें और साथ बैठकर देखें। गाली वाला सीन आए तो समझाएं कि ये रील में ठीक है, असल जिंदगी में नहीं।

स्कूल जैसी बहस घर में भी करें, पर मर्यादित भाषा में। असहमति जताने के 100 तरीके सिखाएं, गाली उनमें से एक न हो। सम्मान की नींव घर से ही पड़ती है। स्कूल में शिक्षकगण भाषा बेहतर करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों के लिए शिक्षक उनके रोल मॉडल होते हैं। हम हमेशा सुनते हैं कि जो बच्चे घर में माता-पिता की भी नहीं सुनते शिक्षक की एक एक बात उनके लिए ब्रह्म वाक्य होती है।

सख्ती नहीं बल्कि उनको शांति से समझने की जरूरत है

गाली देने पर डांटने के बजाय पूछें - "क्या तुम गुस्सा इसी से जता सकते हो?" विकल्प वाले शब्द सिखाएं। "सम्मान की भाषा" को क्लास का नियम बनाएं। उल्लंघन पर 5 मिनट का रिफ्लेक्शन टास्क दें।

मीडिया पर चर्चा का आयोजन किया जा सकता है

OTT/रील के सीन दिखाकर पूछें - "असली जिंदगी में ये ठीक है क्या? जो बच्चे अच्छी भाषा बोलें, उनकी तारीफ करें। भाषा सुधरी तो सोच और व्यवहार दोनों सुधरेंगे। आज की तारीख में यह सबसे गंभीर समस्या है जो बच्चों के पूरे व्यक्तित्व पर प्रश्न चिन्ह लगा रही है।

यदि आपके पास भी हो कोई सुझाव तो हमें अवश्य बताएं....।

कविता का कोना

जीवन का सफर...

जीवन की आपाधापी में
कितना कुछ छूट जाता है,
कल तक जो अपना
लगता था,
वक़्त उसे भी ले जाता है।
नई राह, नए रिश्तों में
मन फिर भी रम जाता है,
पर बीते आँगन की खुशबू
चुपके-चुपके आ जाती है।
पाने की हर इक खुशी में
थोड़ा-सा सूनापन है,
जैसे हँसते चेहरे के पीछे
कोई गहरा क्रंदन है।

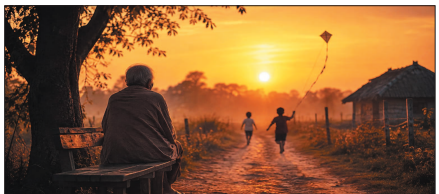

बचपन की वो धूप पुरानी,
माँ की मीठी लोरी है, पिता
के काँधे बैठा सपना
अब केवल स्मृति-डोरी है।
कुछ चेहरे धुँधले पड़ते हैं,
कुछ आवाजें खो जाती हैं,
भीड़ भरे इन रास्तों में
अपनी राहें सो जाती हैं।
जीवन की इस
भागमभाग में
मन कितना थक जाता है,
जो पाया वह कम लगता है,
जो खोया याद आता है।
सच तो यह है, पाने
से ज़्यादा
खोना भारी होता है,
हर बिछड़ा पल उम्रभर
मन पर ऋणी-सा रहता है।
फिर भी जीवन
चलता रहता,
समय न पीछे मुड़ पाता है,
आँसू पीकर भी मानव नए
स्वप्न फिर बुन जाता है।

अमृता मिश्रा

फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' रिलीज न हो पाने का अफसोस...

अभिनेत्री रेणुका शहाणे ने फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' के रिलीज न होने पर अफसोस जताया है। उनका कहना है कि पूरी टीम ने इस फिल्म पर काफी मेहनत की थी और झूलन गोस्वामी जैसी दिग्गज क्रिकेटर की प्रेरणादायक कहानी ऑडियंस तक पहुंचनी चाहिए थी। मराठी वेब सीरीज 'अगं आई अहो आई' के प्रमोशन के दौरान खास बातचीत में रेणुका ने कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि फिल्म अब तक रिलीज नहीं हो सकी।

फिल्म बहुत अच्छी बनी है

रेणुका शहाणे ने कहा, 'मुझे दुख है, क्योंकि चकदा एक्सप्रेस बहुत अच्छी बनी है। इसके निर्देशक प्रोसित रॉय ने काफी मेहनत की है। अनुष्का शर्मा समेत पूरी टीम ने इस फिल्म के लिए बहुत मेहनत की। पीरियड फिल्म बनाना प्रोडक्शन के स्तर पर काफी चुनौतीपूर्ण और खर्चीला होता है। इसे बहुत बारीकी से तैयार किया गया है।'

क्रिकेटर की कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए

उन्होंने आगे कहा, 'सबसे अहम बात यह है कि यह झूलन गोस्वामी जैसी उम्दा क्रिकेटर की कहानी है। उनका संघर्ष वाकई प्रेरणादायक है। मुझे लगता है कि उनकी कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए थी। अगर फिल्म रिलीज होती, तो बहुत अच्छा होता।'

सभी चाहते हैं कि कहानी लोगों तक पहुंचे

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें फिल्म के रिलीज न होने की वजह पता है, तो उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मुझे इसकी अंदरूनी वजहों के बारे में कुछ नहीं पता। लेकिन हम सभी चाहते हैं कि यह फिल्म किसी न किसी तरह ऑडियंस तक पहुंचे।'

एक्ट्रेस से अब प्रेजेंटर बनीं सोनाली बेंद्रे

बॉलीवुड में कई सालों तक अपनी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग से दिल जीतने वाली सोनाली बेंद्रे अब एक नए रोल में नजर आएंगी। दरअसल, वह अब अभिनय के साथ-साथ अच्छी कहानियों को आगे बढ़ाने का काम भी करना चाहती हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने फिल्म 'सोलह' के साथ प्रेजेंटर के तौर पर अपना सफर शुरू किया है। बता दें कि प्रेजेंटर का मतलब होता है वो शख्स जो किसी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करे। वो फिल्म का चेहरा बनता है और लोगों को बताता है कि ये कहानी क्यों जरूरी है। सोनाली अपने इस रोल को लेकर काफी उत्साहित हैं। आईएएनएस से खास बातचीत में सोनाली बेंद्रे ने बताया कि 'सोलह' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है। ये उनके जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्हें हमेशा से ऐसी कहानियां पसंद रही हैं जो फिल्म खत्म होने के बाद भी आपके साथ रहें। ऐसी कहानियां जो आपको एक जगह बैठकर सोचने पर मजबूर कर दें। 'सोलह' में ये सब है, इसलिए जब उन्होंने पहली बार इस फिल्म की कहानी सुनी तो वो तुरंत उससे जुड़ गईं। सोनाली ने कहा, ''फिल्म को प्रेजेंट करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि यह मेरे लिए एक नए सफर की शुरुआत है। मैंने हमेशा ऐसी कहानियों को चुना है जो खत्म होने के बाद भी आपके दिल और दिमाग में रह जाती हैं। जो आपको थोड़ी देर के लिए रुककर सोचने पर मजबूर करती हैं। आपको जिंदगी को थोड़ा अलग तरीके से देखने में मदद करती हैं। 'सोलह' ने मेरे साथ बिल्कुल यही किया। इसे सुनने के बाद मैं काफी देर तक शांत रही और सोचती रही।''

सोनाली ने बताया कि आखिर उन्हें 'सोलह' की कहानी इतनी क्यों पसंद आई। उन्होंने कहा, ''जब मैंने पहली बार कहानी सुनी तो वो सीधे मेरे दिल से जा लगी। असल में ये फिल्म उम्मीद की कहानी है। ये हिम्मत की कहानी है और सबसे जरूरी बात ये आम लोगों के अंदर छिपी उस शांत ताकत की कहानी है, जिसके बारे में हम रोजमर्रा की जिंदगी में बात नहीं करते। पिछले कुछ सालों में मैंने जिंदगी को बहुत करीब से देखा है। बीमारी, संघर्ष और फिर उससे उबरना। इन सबके बाद मैंने उम्मीद और हिम्मत की कीमत और भी ज्यादा समझी है। इसलिए मुझे लगता है कि अपने इस नए सफर की शुरुआत के लिए 'सोलह' सबसे सही फिल्म है।'' जब उनसे पूछा कि एक प्रेजेंटर के तौर पर उनका क्या मकसद है, तो इस पर सोनाली ने कहा, ''अब जब मैं एक प्रेजेंटर के तौर पर ये सफर शुरू कर रही हूं, तो मेरी सबसे बड़ी इच्छा यही है कि मैं ऐसी फिल्मों को सपोर्ट करूं जो लोगों के दिल को छूएं, जो लोगों को इमोशनली हिला दें। साथ ही मैं चाहती हूं कि दर्शकों को ऐसे नए कहानीकार मिलें, ऐसे नए डायरेक्टर मिलें, जिनकी आवाज अब तक लोगों तक नहीं पहुंची है, लेकिन उनकी कहानियां सुनने लायक हैं। मुझे लगता है कि 'सोलह' से बेहतर शुरुआत मेरे लिए और कुछ नहीं हो सकती थी। मुझे उम्मीद है कि जब लोग सिनेमाघर से बाहर निकलेंगे, तो उन्हें भी ठीक वैसा ही महसूस होगा जैसा मुझे हुआ था।'' 'सोलह' को रोज मूवीज और कैरीऑन पिक्चर्स ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म 16 अक्टूबर को पूरे देश में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अब मुझे परवाह नहीं लोग क्या सोचते हैं सही के लिए बोलना जरूरी

अभिनेत्री सानवी तलवार इन दिनों अपनी हॉरर थ्रिलर फिल्म 'खामोश आहटें' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि पहले के मुकाबले वे आज अपनी बात को रखने में सहज महसूस करती हैं। अभिनेत्री से आईएएनएस ने पूछा, 'आपके करियर में एक समय ऐसा भी आया था, जब आप एक निजी विवाद के कारण सुर्खियों में रहीं। उस अनुभव से आपने क्या सीखा?' अभिनेत्री सानवी तलवार ने कहा, 'मैंने अपने जीवन के अनुभवों से सीखा है कि जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी राय रखनी चाहिए। पहले मैं सिर्फ सीमित लोगों से बातें किया करती थी, लेकिन अब समझ आता है कि जब कोई बात एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है, तो उसका मतलब बदल जाता है। आज मैं खुलकर अपनी बात रखने में सहज महसूस करती हूं, क्योंकि यह मेरा अपना फैसला है। अब मैं इस बात की चिंता नहीं करती कि लोग मेरे बारे में क्या सोचेंगे। अगर मुझे लगता है कि कोई बात सही है, तो मुझे उसके बारे में बोलना चाहिए।'

दरअसल, अभिनेत्री सानवी तलवार ने एक इंटरव्यू के दौरान करण कुंद्रा पर आरोप लगाते हुए बताया था कि 2015 के टीवी शो 'ये कहां आ गए हम' के सेट पर एक सीन के दौरान करण ने डायरेक्टर के एक्शन बोलने से पहले उन्हें जबरन किस किया, जिसके जवाब में सानवी ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद करण ने उन्हें जोरदार थप्पड़ मारा और गाली गलौज की थी। कई लोगों ने सवाल उठाया कि आपने इस मुद्दे पर इतनी देर बाद क्यों बात की। उन महिलाओं के लिए आप क्या कहना चाहेंगी, जो अपनी बात कहने से झिझकती हैं?' अभिनेत्री ने कहा, 'मैं हर महिला से कहना चाहूंगी कि अगर आपके साथ कुछ गलत हुआ है और आप उस समय अपनी बात नहीं कह पाई, तो भी कभी देर नहीं होती। जब आपको सही लगे और आप तैयार महसूस करें, तब अपनी बात सामने रखें। अगर आप अपने अनुभवों के बारे में कभी नहीं बोलेंगी, तो लोग सच्चाई जान नहीं पाएंगे। मेरी बात किसी के माध्यम से अनुषा दांडेकर (करण कुंद्रा की एक्स गर्लफ्रेंड) के पास पहुंच गई थी। जब वह सेट पर आई, तो उनकी मौजूदगी ने मुझे काफी सुकून और सहयोग महसूस करवाया था।'

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'मैं आज भी इससे डील कर रही हूं। लोग मुझे ट्रोल करते हैं क्योंकि मैं सच बोल रही हूं, लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे पता है कि मैं क्यों बोल रही हूं और मैं आज भी अपनी बात पर कायम हूं।'

एक बार फिर देश का नाम रोशन करेंगी मानुषी छिल्लर

मानुषी छिल्लर ने हमेशा भारत को ग्रेस और आत्मविश्वास के साथ रिप्रेजेंट किया है। मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद से ही वह देश का एक ग्लोबल चेहरा बन चुकी हैं और कई इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर भारत की पहचान को आगे बढ़ाया है। अब वे एक बार फिर भारत का नाम ग्लोबल लेवल पर चमकाने वाली हैं।

हैंडओवर सेरेमनी में करेंगी परफॉर्म

एक्ट्रेस और पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स हैंडओवर सेरेमनी में लाइव परफॉर्म करने वाली इकलौती भारतीय एक्ट्रेस होंगी। यह खास इवेंट 2 अगस्त को ग्लासगो में होगा। इस अनाउंसमेंट में मानुषी के सफर को खास तौर पर सराहा गया है- मिस वर्ल्ड बनने से लेकर कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे बड़े मंच तक पहुंचने तक। उनकी यह परफॉर्मेंस इस सेरेमनी का एक बड़ा आकर्षण होगी, जो 'रोड टू अहमदाबाद 2030' की शुरुआत को भी दर्शाएगी, जो अगला होस्ट सिटी है।

इकलौती भारतीय एक्ट्रेस होंगी मानुषी

कॉमनवेल्थ गेम्स की यह हैंडओवर सेरेमनी दुनियाभर में देखी जाएगी, जिसमें म्यूजिक, कल्चर और एंटरटेनमेंट के जरिए ग्लासगो 2026 से अहमदाबाद 2030 तक का सफर दिखाया जाएगा। ऐसे में इकलौती भारतीय एक्ट्रेस के तौर पर मानुषी की मौजूदगी और भी खास बन जाती है। इस खास मौके के साथ मानुषी छिल्लर अपने करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ रही हैं। अब फैंस को उनकी परफॉर्मेंस का बेसब्री से इंतजार है, जहां वह एक बार फिर गर्व के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी।

कीर्ति कुल्हारी हुईं साइबर फ्रॉड का शिकार

अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी के साथ साइबर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अज्ञात अपराधियों ने उनके मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड का अनधिकृत एक्सेस हासिल कर महज कुछ ही मिनटों में 2,43,852 रुपए का फ्रॉड किया है। अभिनेत्री की शिकायत पर अंबोली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खबर के मुताबिक इस मामले में कीर्ति ने एफआईआर दर्ज करवाई है।

मां-पापा को एयरप्लेन में में ट्रैवल कराना है, उन्होंने मेरा 16 साल का संघर्ष देखा है

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से घर-घर में लोगों का दिल जीत चुके राघव जुयाल इन दिनों 'भाई तेरा स्टार' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा- मेरे माता-पिता जिस सैलरी के चक्रव्यूह में फंसे रहे, मुझे उन्हें उससे निकालना है, मैं देहरादून में उनके लिए पांच मंजिला घर बनवा रहा हूं और मुझे उन्हें एयरप्लेन में फर्स्ट क्लास में ट्रैवल कराना है।

इसमें उनकी मेहनत, लगन और समर्पण का तो पूरा हाथ है, मगर उनकी किस्मत भी कम चमकीली नहीं। हम बात कर रहे हैं, राघव जुयाल की। 'किंग ऑफ स्लो मोशन' के रूप में जाने जाने वाले राघव ने होस्टिंग भी कमाल की की और यही वजह है कि अभिनय का उनका मार्ग प्रशस्त हुआ। 'किल' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में तारीफें बटोरने के बाद इन दिनों वे चर्चा में हैं सोलो हीरो वाली 'भाई तेरा स्टार' है। जल्द ही वे शाहरुख खान की 'किंग' में विलेनिश अंदाज में दिखेंगे। उनसे एक खास बातचीत।

'मेरे दादा केसटो मुखर्जी की मिमिक्री किया करते थे'

हर आम माता-पिता की तरह राघव के परिवार ने भी उनकी मुखालफत की। वे कहते हैं, 'मुझे लगता है कि मेरे माता-पिता को मजबूरी में वकील और टीचर बनना पड़ा। वरना थे तो वो भी कलाकार ही। कला हमारे परिवार में पहले से थी। मेरे दादा जी केस्टो मुखर्जी जैसे सीनियर कमीडियन की कॉमिडी किया करते थे, कविताएं लिखते थे, किताबें लिखते थे। वे लेखक थे। शायद अभिनय और कला का यह बीज वहीं से आया। मगर जब मैंने एक्टिंग में आने की बात की तो कोई भी राजी नहीं था। इसलिए मुझे अपने घोसले से उड़ना पड़ा।

माता-पिता के लिए घर बनवा रहा हूं

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैं अपनी जनरेशन के लोअर मिडल क्लास कर्स (अभिशाप) कि आप ये नहीं कर सकते, वो नहीं कर सकते, को पूरी तरह से मिटा देना चाहता हूं, आगे की जनरेशन के लिए। कोई जब मुझसे कहता है कि अपनी औकात में रहो या तुमको काफी मिला गया है, तो मैं किसी की नहीं सुनना चाहता, क्योंकि मैंने अपने बाप-दादाओं को मेहनत की रोटी के लिए संघर्ष करते देखा है, तो मुझे ये अभिशाप हटाना है। ये छोटे शहर के लड़के की भावनाएं बोल रही हैं। मुझे वो सोच तोड़नी है कि लोग क्या कहेंगे? मेरे माता-पिता जिस सैलरी के चक्रव्यूह में फंसे रहे, मुझे उन्हें उससे निकालना है। मैं देहरादून में उनके लिए पांच मंजिला घर बनवा रहा हूं। मुझे उन्हें एयरप्लेन में फर्स्ट क्लास में ट्रैवल कराना है। उन्होंने मेरा 16 साल का संघर्ष देखा है। मैं हमेशा कहता था कि एक दिन मैं सिंगल हीरो वाली फिल्म करूंगा।

मैं प्रॉड्यूसर से पैकअप या पैसों के बारे में नहीं पूछता

राघव का मानना है कि विवादों के बजाय उन्होंने हमेशा अपने काम पर ध्यान दिया है। वे कहते हैं, 'हमेशा मेरा काम बोला है। जब मैं डांसर था, तब बेस्ट था। जब होस्ट बना, तब भी मुझे सराहा गया। अब जब मैं एक्टिंग कर रहा हूं, तो तब भी बेस्ट ही बनूंगा। मैं सिर्फ अपने काम को बेहतर करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं सुपरस्टार बनने की जर्नी में हूं। मैंने आज तक किसी प्रोड्यूसर से कभी नहीं पूछा कि पैकअप कब होगा, डेढ़ शिफ्ट होगी या दो? वैनिटी है या नहीं? मैंने तो कभी ये तक नहीं पूछा कि कितने पैसे मिलेंगे? मैं सिर्फ पूछता हूं कि शूटिंग पर कहां आना है? शायद यही वजह है कि प्रोड्यूसर भी मेरे साथ काम करना चाहते हैं।'

पिछले 16 सालों से खुद को स्टार महसूस कर रहा हूं

वे बेहद आत्मविश्वास से कहते हैं, 'मैं स्टार वाला मोमेंट पिछले 16 सालों से ही फील कर रहा हूं। मैं जब मुंबई आया और मैंने डीआईडी (डांस इंडिया डांस) में भाग लिया, उस वक्त मेरा डांस देखने के लिए 15-20 हजार का क्राउड आया था, तो बड़ा स्टार मोमेंट था। मैं खुद को लगातार रीइवेंट करता आया हूं। मेरे लिए अवॉर्ड मिलना भी एक बड़ा पल था। लेकिन सबसे ज्यादा खुशी तब होती है, जब लोग प्यार देते हैं।' अपने क्रेजी फैंस का जिक्र करते हुए वे कहते हैं, 'एक बार एक फैन मेरे नाम का टैटू बना कर आ गया था, तब मैंने उसे समझाया था कि वो ऐसा न करे। अरे, कई बार तो फनी इंसिडेंट भी हो जाते हैं। एक बार जब मैं एयरपोर्ट पर जा रहा था, तब एक फैनआकर बोला, वो डांस वाला स्लो मोशन करके दिखा दीजिए। मैंने उससे पूछा, आप क्या करते हो, तो वो बोला, मैं सर्जन हूं। मैंने उससे कहा, तो आप एक सर्जरी करके दिखा दीजिए।'

कबीरधाम के कांवड़ियों के लिए अमरकंटक में नि :शुल्क भोजन-विश्राम की सुविधा उपलब्ध

सावन के प्रथम दिन 400 कांवड़ियों का हुआ आगमन, विधायक भावना बोहरा ने कहा यात्रा सुखद और मंगलमय हो इसके लिए लगातार हमारा प्रयास जारी

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

सावन का पवित्र महिना 30 जुलाई से प्रारंभ हो गया है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कबीरधाम जिले से हजारों की संख्या में कांवड़ यात्री जल लेकर अमरकंटक में जलेश्वर महादेव के दर्शन व जलाभिषेक करने के लिए प्रस्थान करेंगे। उनकी यात्रा को सुखद बनाने के लिए लगातार पांचवे वर्ष भी पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा मेला मैदान (डोम), नया नगर पालिका के पास, अमरकंटक, जिला अनुपपुर (म.प्र.) में 30 जुलाई से 24 अगस्त तक सवर्सुविधायुक्त निःशुल्क विश्राम एवं भोजन की व्यवस्था की गई है।

सावन माह प्रारंभ की पूर्व संध्या लगभग 400 से अधिक कांवड़ियों का आगमन हुआ जहाँ उनका स्वागत कर उनकी सेवा की गई। सभी ने एक साथ सात्विक भोजन ग्रहण किया और माँ नमर्दा और भगवान भोलेनाथ जी की भव्य संध्या आरती में शामिल होकर पूजा-अचर्ना की।

विगत वर्ष पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा इस सुविधा के माध्यम से लगभग 15,000 से अधिक श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों को लाभ मिला और इस वर्ष भी उसी लक्ष्य के साथ मेला मैदान (डोम), नया नगर पालिका के पास, अमरकंटक में कांवड़ यात्रियों के लिए लिए सुबह चाय-नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि का भोजन, नहाने व विश्राम की व्यवस्था एवं रोजमर्रा की सभी मूलभूत सुविधाओं की यहां पूरी तरह व्यवस्था की गई है और भावना समाज सेवी संस्थान के सदस्य भी यहां सातों दिन चौबीसों घंटे उनकी सेवा में उपलब्ध हैं ताकि कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस सेवा से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु हेल्पलाइन नंबर 9755359004 एवं 9754462000 जारी की गई है।

इसके साथ ही विधायक भावना बोहरा द्वारा इस वर्ष कबीरधाम जिले से माँ नमर्दा मंदिर अमरकंटक जाने वाले कांवड़ियों की सुविधा के लिए गोपालपुर पंचायत परिसर (मध्यप्रदेश) में विश्राम की भी निःशुल्क व्यवस्था की गई है। पहले इस मार्ग में कांवड़ यात्रियों को विश्राम के लिए पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ता था जिसे देखते हुए विधायक भावना बोहरा द्वारा गोपालपुर में उनके विश्राम के लिए समुचित व्यवस्था की गई है ताकि उनकी यात्रा सुगम व सुरक्षित हो। वहीं जलेश्वर महादेव, डोंगरिया भी पंडरिया विधानसभा का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है और सावन माह में हजारों श्रद्धालु व कांवड़ यात्री यहाँ दर्शन-पूजन के लिए आते हैं उनकी सेवा के उद्देश्य से पूरे सावन माह तक प्रतिदिन विधायक भावना बोहरा द्वारा कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के लिए भंडारा की व्यवस्था भी की गई हैं, जहाँ सात्विक भोजन दर्शन करने आए श्रद्धालुओं को उपलब्ध होगा।

इस अवसर पर भावना बोहरा ने बताया कि हमारे कबीरधाम जिले से हजारों कांवड़ यात्री भगवान भोलेनाथ के प्रति अपार आस्था एवं विश्वास के साथ कांवड़ में जल लेकर उनका जलाभिषेक करने हेतु कठिन यात्रा करके अमरकंटक के लिए प्रस्थान करते हैं। उनकी यात्रा सुखद और मंगलमय हो इसके लिए लगातार हमारा प्रयास जारी है। कांवड़ यात्रियों को कोई असुविधा न हो इसके लिए हमने मेला मैदान (डोम), नया नगर पालिका के पास, अमरकंटक (म.प्र.) में सभी मूलभूत सुविधाओं तथा उनके विश्राम, भोजन, पेयजल, स्नान जैसे सभी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की है साथ ही भावना समाज सेवी संस्थान के सदस्य उनकी सेवा में हमेशा तत्पर रहेंगे। कांवड़ यात्रियों की सेवा करने का अवसर स्वयं भगवान शिवजी की सेवा करने का सौभाग्य है और भगवान भोलेनाथ की कृपा एवं आशीर्वाद और क्षेत्रवासियों के सहयोग से ही लगातार पांचवे वर्ष भी हमें शिवभक्तों की सेवा करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

खास खबर

RAMP योजना के तहत कोलीहयपुरी में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

कबीरधाम में महिला उद्यमियों के लिए बिजनेस डेवलपमेंट सपोर्ट कार्यक्रम

केंद्र सरकार की RAMP योजना के अंतर्गत उरकऊ छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में चॉइस कंसल्टेंसी सविर्सेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम कोलीहयपुरी में बिजनेस डेवलपमेंट सपोर्ट प्रोग्राम (BDSP) विषय पर एक दिवसीय कायर्शाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना, उन्हें बाजार से जोड़ना तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के अवसर उपलब्ध कराना था।

उद्यमियों को मिला बाजार और वित्तीय सहायता का मार्गदर्शन : कार्यक्रम में उद्यमियों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों एवं महिला संचालित MSMEs को बाजार विकास के लिए आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन दिया गया। प्रतिभागियों को योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता, प्रदशर्नी एवं मेलों में भागीदारी, ब्रांड प्रमोशन तथा निर्यात के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई। आयोजकों ने बताया कि महिला उद्यमिता न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन विषयों पर दी गई जानकारी

कार्यशाला में निम्न विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया : राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के मेलों/प्रदशर्नी में भागीदारी की प्रक्रिया, उत्पाद ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं लेबलिंग में सुधार, गुणवत्ता प्रमाणन एवं मानकीकरण का महत्व, B2B एवं B2C मार्केट लिंकेज के अवसर, ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री विस्तार और सरकारी सहायता एवं अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया शामिल है। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी, प्रेरक एवं मार्गदर्शक बताया। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर लोकेश कुमार साहू, जिला कोऑर्डिनेटर वासुदेव वर्मा एवं इफ्ढ झुनिया साहू उपस्थित रहे।

मौनी बाबा आश्रम में वर्षभर श्रद्धा से होते हैं धार्मिक आयोजन, श्री हनुमत यज्ञ से लेकर गुरु पूणिर्मा और सावन पूजन तक चलीं विशेष गतिविधियां

राजनांदगांव। राजनांदगांव के प्रसिद्ध मिथिला धाम श्री गणेश हनुमान मंदिर स्थित मौनी बाबा आश्रम में वर्षभर विभिन्न धार्मिक आयोजन पूरी निष्ठा और धार्मिक रीति-रिवाज से संपन्न किए जाते हैं। आश्रम में 15 जुलाई से श्री हनुमत यज्ञ का आयोजन प्रारंभ हुआ। यज्ञ के पश्चात प्रतिदिन गुरु पूजन किया गया। 29 जुलाई को शुक्ल पूणिर्मा के अवसर पर पूरे देश से मोनी बाबा के शिष्यगण यहां पहुंचे और धूमधाम से गुरु पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

30 जुलाई, श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से मंदिर में बाबा भोलेनाथ का विशेष पूजन प्रारंभ हुआ। मंदिर में स्थापित बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग पर श्रद्धालु कंवर से जल लाकर जलाभिषेक कर रहे हैं। पूरे सावन माह पंडित देवानंद झा के मंत्रोच्चार के बीच यजमान मनोज चौधरी सपत्नीक विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर रहे हैं। आश्रम प्रबंधन ने बताया कि यहां वर्षभर धार्मिक अनुष्ठान, यज्ञ, पूजन और सामाजिक कार्यक्रम श्रद्धा के साथ आयोजित किए जाते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं।

राजनांदगांव की गौशाला पिंजरापोल सेवा, समर्पण व जनसहभागिता का आदर्श केंद्र : डॉ. रमन सिंह

नवीन गौछाया परिसर का लोकार्पण एवं चिकित्सा तथा गौचारा परिसर का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह गौशाला पिंजरापोल राजनांदगांव में नवीन गौछाया परिसर के लोकार्पण तथा चिकित्सा परिसर एवं गौचारा परिसर के भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने राज्य शासन की ओर से गौशाला के विकास के लिए 75 लाख रूपए की राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विकास एवं पशुपालन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने की। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव तथा राज्य गौ सेवा आयोग छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव को संस्कारधानी इसलिए कहा जाता है जब कोई घटना हो जाती है। उस घटना से एक बड़ा निर्णय निकल कर आता है, जो गौ माता के संवर्धन और संरक्षण के लिए होता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1904 में एक मार्मिक घटना के बाद स्वर्गीय रामलाल चोपड़ा ने गौशाला स्थापना का संकल्प लिया और समाज के सहयोग से इसकी शुरूआत हुई। आज 122 वर्षों की यह यात्रा जनसेवा, गौसंवर्धन और समाज की सहभागिता का प्रेरणादायी उदाहरण बन गई है। उन्होंने कहा कि गौशाला पिंजरापोल केवल गौशाला नहीं, बल्कि एक पवित्र तीर्थस्थल है, जहां समाज की आस्था और सेवा भावना का अद्भुत संगम दिखाई देता है। उन्होंने गौशाला के विकास में भूमि, संसाधन एवं आर्थिक सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं का उल्लेख करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से यह गौशाला आज प्रदेश की सबसे सशक्त एवं समृद्ध गौशालाओं में शामिल है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नागरिकों से गौसेवा में नियमित सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार गौशाला से जुड़े और गौसंरक्षण के इस पुण्य कार्य में योगदान दें।

कृषि विकास एवं पशुपालन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि इतनी समृद्ध परंपरा और 122 वर्षों के गौरवशाली इतिहास वाली गौशाला बहुत कम देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि यहां समाज का जुड़ाव, दानदाताओं की सहभागिता तथा गौसेवा के प्रति लोगों की संवेदनशीलता अनुकरणीय है। उन्होंने गौधाम योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य शासन गौसंरक्षण एवं गौसेवा को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। मंत्री रामविचार नेताम ने गौशाला में संचालित चिकित्सा सुविधाओं, पशु उपचार, शल्य चिकित्सा तथा प्रस्तावित आधुनिक पशु चिकित्सा सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा। उन्होंने कहा कि गौशाला में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रस्ताव भेजे जाएं, जिन पर शासन स्तर पर सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी। मंत्री श्री नेताम ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को गौशाला में नियमित रूप से पशु चिकित्सकों एवं पशु चिकित्सा सहायक कमर्चारियों की ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि गौवंश को समय पर उपचार एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम को अध्यक्ष राज्य गौ सेवा आयोग विशेषर सिंह पटेल, महापौर मधुसूदन यादव ने भी संबोधित किया। अध्यक्ष श्री गौशाला पिंजरापोल खूबचंद पारख ने स्वागत उद्बोधन देते हुए श्री गौशाला पिंजरापोल के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में गौशाला के विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए अनेक समाजसेवियों एवं दानदाताओं ने उदारतापूर्वक आर्थिक सहयोग की घोषणा की। अतिथियों ने गौसेवा एवं गौसंरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे सभी सहयोगियों की सराहना करते हुए इसे समाज की साझा जिम्मेदारी बताया। इस अवसर पर जिला सहकारी केन्द्र बैंक मार्यादित के अध्यक्ष सचिन बघेल, अध्यक्ष राजगामी संपदा न्यास श्रीमती पूणिर्मा साहू, कोमल सिंह राजपूत, संतोष अग्रवाल, एमडी ठाकुर, गौशाला पिंजरापोल समिति के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, दानदाता तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 38 वाहन चालकों पर बेमेतरा पुलिस ने की सख्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव एवं डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का के मार्गदर्शन में समस्त थाना/चौकी व यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रभावी पालन को सुनिश्चित करने के लिए समस्त थाना/चौकी एवं यातायात पुलिस बेमेतरा द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 29 जुलाई 2026 को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 38 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाईकरते हुए कुल 49 हजार 3 सौ रुपये का समन शुल्क लिया गया। अभियान के दौरान नो-एंट्री, तेज गति, बिना लाइसेंस, बिना बीमा, बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, परमिट शर्तों का उल्लंघन, मॉडिफाइड साइलेंसर तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे मामलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

29 जुलाई 2026 को थाना बेमेतरा में 10 चालान में 10 वाहन चालक, यातायात बेमेतरा में 28 चालान में 28 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्रवाई किया गया। जिसमें बिना हेलमेट, परमिट शर्तों का उल्लंघन, मौके पर कागजात पेश न करना, बिना लाइसेंस तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 38 प्रकरण में 49,300 रूपये समन शुल्क लिया गया। उक्त कार्रवाई में यातायात प्रभारी बेमेतरा रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, थाना प्रभारी बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, सहायक उपनिरीक्षक जहीर खान सहित यातायात बेमेतरा पुलिस टीम शामिल रहे। बेमेतरा पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं, मालवाहक वाहनों में सवारी न बैठाएं, नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने न दें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं तथा वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें तथा वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

उड़ान महिला सिलाई व फैशन बुटीक समूह बना महिलाओं की आत्मनिर्भरता का आधार

शासन की सहायता से मिला स्वरोजगार, 15 दिनों में लगभग 30 हजार की आय अर्जित

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसी कड़ी में विकासखंड मोहला में संचालित उड़ान महिला सिलाई एवं फैशन बुटीक समूह महिलाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। समूह से जुड़ी 11 महिलाएं ब्लाउज, सूट, पेटीकोट, पिको-फॉल, फ्रॉक, पटियाला, बैग सहित विभिन्न प्रकार के परिधानों की सिलाई एवं फैशन डिजाइनिंग का कार्य कर रही हैं। साथ ही स्थानीय दुकानों से कपड़े लेकर सिलाई का कार्य कर अपनी आय में निरंतर वृद्धि कर रही हैं। समूह को आगे बढ़ाने एवं स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए शासन द्वारा मुख्यमंत्री कोष से 2 लाख 80 हजार तथा ग्राम संगठन के माध्यम से 1 लाख का ऋण उपलब्ध कराया गया है। इस आर्थिक सहयोग से महिलाओं को आधुनिक सिलाई एवं बुटीक कार्य शुरू करने में सहायता मिली है।

उड़ान महिला सिलाई एवं फैशन बुटीक समूह की अध्यक्ष रेखा बंजारे ने बताया कि पहले समूह की सभी महिलाएं केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थीं, लेकिन आज वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान में सिलाई प्रशिक्षण, बुटीक एवं फैशन डिजाइनिंग के साथ-साथ ब्लाउज, ड्रेस, बैग, फ्रॉक, पटियाला,

पेटीकोट सहित विभिन्न प्रकार के परिधानों की सिलाई की जाती है। इसके अलावा अन्य महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से कौशल विकास प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान की शुरुआत 14 जुलाई 2026 को हुई थी और मात्र 15 दिनों में समूह लगभग 30 हजार की आय अर्जित कर चुका है। यह उपलब्धि समूह की मेहनत, कौशल और शासन की योजनाओं से मिले सहयोग का परिणाम है।

समूह की महिलाओं ने शासन की लाभकारी योजनाओं का लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से उन्हें सम्मानजनक आजीविका और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है।

अभियान हमर पुलिस, हमर बजार, हमर पुलिस व हमर गांव अभियान के माध्यम से आम नागरिकों को जिले के हॉट/बाजारों एवं स्कुल, कालेजों, ग्रामों, में जागरूकता अभियान चलाया

नांदघाट व खम्हरिया पुलिस ने छात्र-छात्राओं को आत्मविश्वास और सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव, डीएसपी राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में सामुदायिक पुलिसिंग के लिए हमर पुलिस हमर बजार एवं हमर पुलिस हमर गांव अभियान के माध्यम से आम नागरिकों को जिले के हॉट/बाजारों एवं स्कुल, कालेजों, ग्रामों, में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

30 जुलाई 2026 को थाना नांदघाट एवं खम्हरिया पुलिस टीम द्वारा शासकीय स्कूल टेमरी एवं कोपेडबरी में छात्र-छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कर उनमें सृजनात्मक कौशल का विकास किया। छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हे भविष्य में अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा और बच्चों को महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं को पुलिस की कार्यप्रणाली, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, नवीन आपराधिक कानून, साइबर जागरूकता और ट्रैफिक नियमों की बुनियादी जानकारी देकर जागरूक बनाना था। पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं को समझाया कि पुलिस का मुख्य कार्य जनता की सुरक्षा और सहायता करना है, और जरूरत पड़ने पर पुलिस हमेशा उनके साथ खड़ी रहती है।

इस जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में जागरूकता, आत्मविश्वास और सुरक्षा संबंधी समझ को मजबूत करना, जिसका लाभ वे अपने दैनिक जीवन में भी उठा सकेंगे। शिक्षक गणों ने भी इस आयोजन की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को कानून और सुरक्षा की जिम्मेदारियों से परिचित कराते हैं। इस दौरान छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़या और उन्हें सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना सिखाया। इसके बाद छात्र-छात्राओं को नवीन आपराधिक कानून, साइबर सुरक्षा और साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया।

पुलिस टीम ने नवीन कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही पुलिस टीम ने बताया कि आज की डिजिटल दुनिया में बच्चे अक्सर ऑनलाइन गेम, सोशल मीडिया और इंटरनेट का उपयोग करते हैं जहां कई तरह के जोखिम मौजूद हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को फर्जी लिंक, अंजान नंबर, ओटीपी धोखाधड़ी, गलत मैसेज, फोटो दुरुपयोग, साइबर बुलिंग जैसी गतिविधियों से बचने के तरीके समझाए। साथ ही यह भी बताया कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि तुरंत माता-पिता और पुलिस को बतानी चाहिए।

इसके अलावा साथ ही बताया गया कि किसी भी अंजान लोगो को शहर/ग्रामों में ठहरने न दें। पुलिस थाना को सूचित करें। अनाधिकृत/अवैध रूप से रह रहें, अवैध अप्रवासी बांग्लादेशी/रोहिंग्या घुसपैठियों एवं संदिग्ध दिखने वाले व्यक्ति जो बाहर से आकर कही रूका हो जो आपको संदिग्ध लगे तो इसकी सूचना तत्काल टोल फ्री नंबर 18002331905 पुलिस को दें। इस अवसर पर थाना प्रभारी नांदघाट, निरीक्षक लेखराम ठाकुर, थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक सत्य प्रकाश उपाध्याय, प्रशिक्षु उप निरीक्षक ईश्वरी डुप्ले, सुरेश चौहान, सहायक उप निरीक्षक मोहन साहू, आरक्षक संजय साहू सहित अन्य स्टाफ व शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमरी एवं कोपेडबरी के छात्र-छात्राएं व शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहें।

6745 किशोरी बालिकाओं का किया गया एचपीवी टीकाकरण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल कैंसर) से किशोरी बालिकाओं की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के शासकीय एवं निजी विद्यालयों में एचपीवी टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत नीरज बाजपेयी स्कूल बोरी में एचपीवी टीकाकरण शिविर का आयोजन कर 14 से 15 वर्ष तक के 31 बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण किया गया।

शिविर में एचपीवी टीकाकरण के उपयोग एवं महत्व के संबंध में जानकारी दी गई। एचपीवी वैक्सीन भविष्य में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में अत्यंत प्रभावी है। जिले में अब तक कुल 6745 किशोरी बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाया जा चुका है। शिविर में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

राजनांदगांव : ब्लाइंड चोरी का सनसनीखेज खुलासा अंतर्राज्यीय गिरोह के 2 शातिर चोर हुए गिरफ्तार

साइबर सेल व बसंतपुर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से पकड़ा, सोने को गलाकर बनाया था डल्ला

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव पुलिस की साइबर सेल और थाना बसंतपुर की संयुक्त टीम ने कौरिनभांठा में हुए ब्लाइंड चोरी के सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए अंतर्राज्यीय शातिर चोर गिरोह के 2 आरोपियों को नागपुर, महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने चोरी के सोने के जेवरों को पहचान छिपाने के लिए गलाकर डल्ला बना लिया था।

क्या थी घटना : प्रार्थी उमाशंकर साहू, निवासी कौरिनभांठा बजरंग वार्ड ने 18 जुलाई 2026 को थाना बसंतपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वे 13 जुलाई को पत्नी के साथ नवा रायपुर अपनी पुत्री से मिलने गए थे। 17 जुलाई की रात करीब 11:30 बजे घर लौटने पर मुख्य गेट और चैनल गेट के ताले टूटे मिले। घर के भीतर अलमारी का लॉकर भी टूटा हुआ था। अज्ञात चोर अलमारी से सोने-चांदी के आभूषण, चांदी के सिक्के और नगद 80,000 रुपये सहित कुल लगभग 2.48 लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर ले गए थे। रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 339/2026 धारा 331(4), 305 इत्र के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में बसंतपुर थाना और साइबर सेल की विशेष टीम गठित की गई। निरीक्षक कौशलेश देवांगन और निरीक्षक विनय पम्मार के नेतृत्व में टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शहर के चौक-चौराहों पर लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों से पता चला कि आरोपी राष्ट्रीय राजमार्ग से महाराष्ट्र भाग गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर टीम तुरंत नागपुर पहुंची और वहां से रमाकांत उर्फ रामभाऊ और वाल्सल सातपुटे को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने कौरिनभांठा में चोरी की घटना स्वीकार कर ली।

सोने को गलाकर बनाया डल्ला

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने चोरी किए गए सोने के आभूषणों को गलाकर 35 ग्राम का डल्ला बना लिया था ताकि उसकी पहचान न हो सके। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामद किया। सोने का डल्ला लगभग 35 ग्राम, चांदी की बिछिया, चांदी की 03 जोड़ी पायल, चांदी के 19 सिक्के, चांदी की एक अन्य जोड़ी बिछिया, अन्य चोरी का मशरूका एवं नगदी शामिल हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जाएगा।

मुख्य आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड

मुख्य आरोपी रमाकांत उर्फ रामभाऊ के खिलाफ पहले से भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं:- अपराध क्रमांक 458/2018, थाना बसंतपुर, धारा 457, 380 भादवि, अपराध क्रमांक 358/2018, थाना लालबाग, धारा 457, 380 भादवि, अपराध क्रमांक 360/2018, थाना लालबाग, धारा 457, 380 भादवि।

इस कार्रवाई में निरीक्षक कौशलेश देवांगन, निरीक्षक विनय पम्मार, उप निरीक्षक इब्राहिम खान, प्रधान आरक्षक बसंत राव तथा आरक्षक अविनाश झा, आशीष मानिकपुरी, हरिश ठाकुर, मोहसीन खान, भुनेश्वर जायसी, कुश बघेल एवं मोहन साहू की भूमिका सराहनीय रही।

कल सेक्टर-9 में पं. रविशंकर और विद्याचरण शुक्ल की जयंती

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वतंत्रता सेनानी और अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल तथा उनके पुत्र पूर्व केंद्रीय मंत्री पं. विद्याचरण शुक्ल की जयंती 2 अगस्त, 2026 को सेक्टर-9 स्थित चौक रविशंकर शुक्ल के मूर्ति स्थल पर मनाई जाएगी। समारोह प्रातः 9 बजे से आयोजित होगा।

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर और शुक्ल सांस्कृतिक और सामाजिक समिति के महासचिव मनोज मिश्रा ने बताया कि जयंती समारोह में सभी कांग्रेसजनों, शुक्ल समर्थकों और भिलाई की इस्पात बिरादरी से उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित करने का आग्रह किया गया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना में निभाई थी अहम भूमिका : आधुनिक भारत का औद्योगिक तीर्थ कहे जाने वाले भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना को भिलाई में करवाने में पं. रविशंकर शुक्ल की दृढ़ इच्छाशक्ति की प्रमुख भूमिका रही। उनका जन्म 2 अगस्त 1876 को सागर में हुआ था। अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने शिक्षा, विकास और आधारभूत संरचनाओं की स्थापना में महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने 31 दिसम्बर 1956 को 80 वर्ष की आयु में नई दिल्ली में अंतिम सांस ली।

9 बार सांसद रहे विद्याचरण शुक्ल : पं. विद्याचरण शुक्ल का जन्म भी 2 अगस्त 1929 को हुआ था। वे भारतीय राजनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। 1957 में महासमुंद से सबसे युवा सांसद बनकर लोकसभा पहुंचे और रिकॉर्ड 9 बार सांसद रहे। 1966 में इंदिरा गांधी मंत्रिमंडल में शामिल हुए और दूरसंचार, गृह, रक्षा, वित्त, योजना, विदेश, सूचना-प्रसारण सहित कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों का दायित्व संभाला। चंद्रशेखर सरकार में वे विदेश मंत्री भी रहे। 25 मई 2013 को नक्सली हमले में घायल होने के बाद उनका निधन हो गया। बीएसपी के संस्थापक पं. रविशंकर शुक्ल की जयंती का यह आयोजन प्रतिवर्ष क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के माध्यम से आयोजित किया जाता है।

कटघोरा में अटल जी की प्रतिमा निर्माण में अनियमितता, उप अभियंता निलंबित

नई दृष्टिबिंदु / नवा रायपुर

नगर पालिका परिषद कटघोरा के अटल परिसर में स्थापित भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा निर्माण में अनियमितता के मामले में उप अभियंता चंद्र प्रकाश जायसवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर के पत्र क्रमांक 1087 29 जुलाई 2026 के आधार पर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था। जांच में पाया गया कि प्रतिमा निर्माण कार्य प्राक्कलन के प्रावधानों के विपरीत हुआ है। प्रतिमा के विभिन्न भागों से परत उखड़ रही है और वह लगातार क्षतिग्रस्त हो रही है। साथ ही कांस्य प्रतिमा मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई। जांच में निर्माण प्रक्रिया के दौरान हुई अनियमितता के लिए उप अभियंता चंद्र प्रकाश जायसवाल को उत्तरदायी माना गया। उनका यह कृत्य पदीय कर्तव्यों के विपरीत होने के कारण छत्तीसगढ़ नगर पालिका कर्मचारी (भर्ती तथा सेवा शर्तें) नियम, 1968 के नियम 53 के तहत कार्रवाई की गई।

निलंबन अवधि में दुर्ग में रहेगा मुख्यालय : आदेश में कहा गया है कि निलंबन अवधि में जायसवाल का मुख्यालय संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, दुर्ग नियत किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। आदेश की प्रति कलेक्टर कोरबा/बेमेतरा, संयुक्त संचालक बिलासपुर एवं दुर्ग, सीएमओ कटघोरा, अध्यक्ष नगर पंचायत मारो सहित संबंधित अधिकारियों को प्रेषित की गई है।

GOSWWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
One Way Vision • Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना
फ्लाई ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई
8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।
संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
Order Now:
@baked.by.suhani
MO.6263734520

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण
नौकरी में सहायक
प्रवेश प्रारंभ सत्र 2026-2027
निजी कंपनियां जैसे पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत नौकरियाँ मिलती है।
प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट
सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाएगा
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

BA
BCA
BCom
BBA
BSc
PGDCA
MSc CHEMISTRY
MSc BIOTECHNOLOGY
MSc BOTANY
MSc ZOOLOGY
MSc COMPUTER Sc
MSc MATHS
MA ENGLISH
MCom
BLib
MLib
DCA
MA CHHATTISGARHI
Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg
SAI COLLEGE
Street-69, Sector-6, Bhilai
70248 86996
99770 01027
Deepak Advertisers

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100